॥ जय महेश ॥

ढाट माहेश्वरी सन्देश

त्रि-मासिक पत्रिका

अंक-7 | अक्टूबर-2017

प्रकाशक

ऑल इंडिया फेडरेशन ऑफ ढाट माहेश्वरी समाज

रजी. नं. : F1306/ABD

तंत्री की कलम से...

अभयमन्यु ईसरदास चंदीरा

प्रिय वाचक,

माँ सरस्वतीजी की कृपा से इस बार का अंक टीम पत्रिका हिंदीभाषा(राष्ट्रभाषा) में प्रकाशित करने जा रही है। हिंदी पढना पूर्णत: सहज एवम सुविधाजनक है। इस सातवे अंक की जब हम लोग तैयारी कर रहे थे तब यु लगता था की हमे काफी समय मिला है, लेकिन पिछले समय की घटनाक्रम को देंखे तो बहुत सारी घटनाएं इस समय में घटी है जो कुछ दुखद और कुछ सुखदायी है, जिससे इस अंक में काफी समय और महेनत लगी है।

उत्तर गुजरात और उससे संलंग्न राजस्थान के कुछ भूभाग में भीषण जलप्रलय आया जिसकी चपेट में सारे प्रदेश की जनता आ गयी, खास कर धानेरा नगर में रहते हुए कुछ ढाटी माहेश्वरी बंधुओ को इस जलप्रलय से भारी आर्थिक नुकसान सहन करना पडा। कुदरत के आगे सब लाचार थे पर वर्तमान समय में हम काफी संघठ्ठित हो चुके है, और इस संघठित होने का बडा योगदान AIFDMS है। तब इस विपदा में AIFDMS के पदाधिकारी तथा AIFDMS के वर्किग कमिटी के सदस्य खास कर आई.पी. माहेश्वरी और बाकी सदस्यों ने मिलके एक योजना बनायी कि, जिनको अति आवश्यक मदद चाहिए उनको तत्काल अपना व्यवसाय-रोजगार चलाने के लिए आर्थिक सहाय पहुंचाइ जाये और इस कार्य को अति तीव्रता से पूर्ण भी किया गया और एक मेसेज यह भी हुआ की विपदा की घडी में कहीं भी समाज के सदस्य अकेले नहीं है, समाज उनके साथ खडा है। इस कार्य को पूर्ण करने में श्री वासुदेव जी भूतडा, किरणकुमारजी राठी, पी.सी. राठी, भवानी मोहता और कमिटी के गण मान्य सदस्यो ने मिलके प्रत्यक्ष रूप से कार्य पूर्ण कराया।

हमारे हिन्दुधर्म में गाय को माता का दर्जा दिया गया है। AIFDMS ने गौ सेवा के लिए एक योजना बनाई है जिसमे योजना के अनुसार इस कार्य के लिए राशि एकत्रित कि जाये और विभिन्न पांजरापोल को यह रकम दान के रूप से दी जाये और सहाय के रूप में एकत्रित की हुई पूरी राशि पूर्ण रूप से उसी साल के 31 मार्च के अंत तक उस राशी को गौसेवा में सदुपयोग किया जाये। गौ सेवा के लिए इससे पहले भी व्यक्तीगत तौर पे समाज में कई व्यक्तियों द्वारा गौसेवा का कार्य हो रहा है। जब की यह सामूहिक तौर पर बहुत बडा कदम AIFDMS द्वारा उठाया जा रहा है। मेरी जानकारी के अनुसार गौ सेवा के वार्षिक सहयोग करने के लिए औसत: 400 से 500 लोगोने AIFDMS को अपने नाम की स्वीकृती दे दी है।

अंतिम चरण में यह बात कहना चाहता हु की हमारे ज्यादातर त्यौहार खासकर इन ही तीन महिनो में आते है। भारत में खेतीबाडी वर्षाऋतु आधारित थी, जो भी त्यौहार है खास कर के खेतीबाडी सम्बंधित है। जैसे ही खेतो में बुआई के बाद लोग फ्री होते थे तो वे ईन त्यौहारों का आनंद उठाते थे, यह मेरा व्यक्तिगत मंतव्य है।

अक्षयतृतीया से त्यौहारो की शुरआत करे तो पहले अषाढी बीज, गुरुपूर्णिमा, श्रावण की छोटी और बडी तीज, रक्षाबन्धन, नागपंचमी, शीतला सातम, जन्माष्टमी, सोमवती अमास, और आगे नवरात्रि और फिर दिवाली जो देव-दिवाली के साथ खुशियों और हर्षोल्लास के साथ सब त्यौहार मनाये जाते हैं। इन्ही दिनोमे हम पुर्वजो को भी श्राद्ध पक्ष मे याद करते है। ओर खास कर व्यापारी बंधुओ की लिए धंधे की सीजन होती है और दीपावली की छुट्टीओ में आज कल बहार घूमने जाने का चलन भी बहुत है। इन खुशीयों के मौसम में अपनी और अपनो की सेहत का ख्याल रखे और खुशी भरे दिनों का आनंद ले और स्वस्थ्य रहे सुरक्षीत रहे।

अभयमन्यु ईसरदास चंदीरा, अहमदाबाद
8160726684, 7069876733
fpatrika733@gmail.com

પરમ શ્રધૈય પ્રમુખ શ્રી ટ્રસ્ટીગણ કારોબારી સમિતિના સર્વે સભ્યો

તંત્રી શ્રી ઓલ ઈન્ડિયા ફેડરેશન ઓફઢાટ માહેશ્વરી સમાજ

આજનો યુગ યંત્ર યુગ છે સૂર્યોદય થી સૂર્યાસ્ત સુધી માનવ આજીવિકા અર્થે દોડધામ કરે છે.

સમય અને નિરાંત જેવા શબ્દો તેના જીવન કોષમાંથી નીકળી ગયા છે

એવા કપરા કાળમાં યજ્ઞિય ભાવ રાખીને આપ સૌએ ખંત અને ચોકસાઈ રાખીને જે ત્રિમાસીક અંક તૈયાર,ચીવટ,ધીરજ,કર્યો છે.અને અમારા જેવા પરદેશ રહેતા એકલ દોકલ પરિવાર ને સમાજ સાથે ભેળવી દેવા બદલ....

આનંદ . . .
અભિવાદન . . . અભિનંદન

કીર્તિ મયારામ બઢ્ઢર થાણા, મહારાષ્ટ્ર
મો. ૯૮૩૩૧૭૦૩૩૩

विकास अे. चांडक | हरीश अे भूतड़ा | सुरेश के राठी | नविन पी. कड़वा | मीनू जी. कचोरिया

छाछरे के गांधी

स्व. श्री मूलशंकरजी शारदा (सेठ)

जन्म 1910

छाछरे गांव बडा बड भागी था। जहां मूलशंकरजी का जन्म हुआ! वे बचपन से ही सरलस्वभाव, सादगी पसंद और उच्च विचारो के धनी थे! मानव सेवा ही उन्ही का धर्म था। युवा अवस्था में वे कोंग्रेस के सदस्य बने! गांधीजी के अहिंसा सिद्धात में उन्हे निष्ठा थी। महात्मा गांधी के पक्के अनुयायी बने। इनके पहनावे में खादी के कपडे धोती-कुरता, एक गांधी टोपी, कद के मध्यम थे। समाज सेवा, देश सेवा में हंमेशी लीन रहते थे। मेरी यादगारी से वे हंमेशा पर पीडा निवारण मे लगे रहते थे। पक्के मेहमान नवाज थे। बाहर से आए हुए समाज सुधारक, कोंग्रेसी, आर्यसमाजी, आदी इन्के बंगले मे आकर आदरपूर्वक रहते थे।

स्वतंत्रता की लडाई के समय ईन्ही का घर सराय या धर्मशाला बना हुआ था। कोंग्रेस की ओर से वे विधायक तक का चुनाव भी लडे थे। स्वामीकृष्णानंद को छाछरो क्षेत्र से राणा जागीर के मुकाबले एम.एल.ऐ चुनाव मे जीत हांसिल कराने में शेठ साहब का बडा हाथ था। अनुसूचित जाति और अनुसूचित जन जाति की सेवा के लिए हंमेशा तत्तपर रहते थे। छुआछुत के विराधी थे-उस जमाने में भी वे भील जाति के परिवारो से सामान खरीदकर लोगो के घर में उपयोग मे लेते थे। किसी भी समय गरीबो के सहायता के लिए तैयार रहते थे। शाहुकारो की तरफ से मेघवाल तथा भील जाति के व्यक्तियो पर ब्याज पर ब्याज लेने का विरोध करते थे। गरीब रोगियो तथा अन्य राहगीरो के लिए उन्ही का बंगला हंमेशा खुला रहता था।

अंध विश्वास तथा भोपागीरी के सख्त खिलाफ थे। छोटे बडे मौके पर हर समय उपलब्ध रहते थे।

छाछरो के चेयरमैन(सरपंच) भी बने थे। अपने कार्यकाल में छाछरो के विकास के लिए कई कार्य करवाए। इतने सरल थे कि सचिव ने अन्य कागजात के साथ स्वंय के त्याग पत्र पर हस्ताक्षर करवा लिऐ थे।

राजनैतिक शत्रुता रखने के बावजूद गांव के ठाकुरो से मैत्रीपूर्ण संबध थे। एक बार ठाकुर पर सीआईडी जांच के अनुसार शेठ साहेब से पूछताछ की गई-शेठ ने कहाकि यह गलत आरोप है। बाद मे ठाकुर के गांव विशेष दूत भेजकर गुप्तचर एजेंसी कोई बात दी, जिसके कारण ठाकुर साहब भी शेठ को राजनैतिक शत्रु होते हुए भी अपना मानते थे।

उस क्षेत्र का मुस्लिम समाज भी शेठको ईज्जत की नजरो से दखते था। बडे बडे राजनीतिज्ञ, सैयद गुलाम हैदरशा, खानबहादुर, गुलाम मोहम्मद, बसाण सैयद साबलशा, अरबान बंगेवाले, बाहिददिनो, नोहडी ठाकुर, अंबासिंह, महासिंग आदि बहुत मानते थे।

उनका परीवार अभी गुजरात मे रहता है। जिसमे पुत्रश्री कीशनलालजी तथा पौत्र जवाहरभाई धरमदेव, अशोकभाई अभिमन्युजी, दीनेशभाई प्रतापराय, तथा महेशभाई अर्जुनदास है।

लेख आलेखन
विकास अे चांडक

श्री लेखराजजी मथुरादास लधड़, जयपुर

श्री लेखराजजी मथुरादास लधड़ (जयपुर वाले) के बारेमे लिखने के लिए इस पत्रिका का एक पन्ना काफी नहीं है। परन्तु हमारी पन्नो की मर्यादा में इनका संक्षिप्त परिचय लिख रहे है। लेखराजजी का नाम कही से भी किसी परिचय का मोहताज नहीं है। आप एक सफल व्यापारी एवम सेवाभावी सहकार की भावना रखनेवाले व्यक्तिके तौर पे जाने जाते है।

आपका बचपन गडरा रोड तथा बाड़मेर (राजस्थान) में बिता। आपने शिक्षा भी वही से प्राप्त की। यु भले ही आप जयपुर रहते है या हिंदुस्तान और विदेशो में काम-काज के हिसाब से आते जाते रहते है, परन्तु आप अभी भी मिट्टी से जुड़े हुए व्यकित है। आप अपना पुश्तैनी व्यापर हैंडी-क्राफ्ट में पिताजी से जुड़कर उसको खूब बढ़ाया और लाखो लोगोंको रोजगारी का अवसर प्राप्त कराया इसमें भी बड़ी सेवा की भावना जुडी थी।

आपने 2006 में MBV जयपुर विद्यालय को अपनी निजी जान पहचान से 900 गज जमीन 1Rs. टोकन मनी में दिलाया। शिक्षा क्षेत्र में सेवा का एक उत्तम उदाहरण आपने दिया।

जयपुर माहेश्वरी समाज में कार्यकारनी के सदस्य रहे, उसमे निःस्वार्थ रुप और उत्साह से काम किया जो हमेशा सराहनीय रहेगा। आप कई सरकारी, सहकारी व्यापारी अवं सामाजिक संस्थाओ में जुड़े हुए है, अगर हम लिस्ट बनाते है तो पन्ने भर जाएं परन्तु संक्षिप्त में उल्लेख कर रहे है।

खास कर भारत सरकार की निर्यात की शीर्ष संस्था Export Promotion Council for Handicrafts (EPCH) में लगातार मेम्बर बने और आपको 2013-15 निर्विवादित अध्यक्ष बने जो समाज के लिए गौरव की बात है।

आप भारत सरकार का Indian Festival Caracas जो वेनेजुएला देश में हुआ उसमे अपनी अध्यक्षता में उस फेस्टिवल को अपने 30 आर्टिस्ट्स और आपकी धर्मपत्नी के साथ उस समारोह को संपन्न कराया और खास बाड़मेर जिले को आपने अपनी मेहनत से Town of Export Excellent का दर्जा दिलाया जिससे एक्सपोर्ट्स के व्यपारियोंको और करीगरोंको विशेष सुविधाये मिले, यह आपकी दूरदर्शिता की वजह से ही संभव हो पाया।

इस पत्रिका में सिमित जगह की वजह से ज्यादा लिख नहीं पा रहे है बाकि पूरी पत्रिका भर जाये इतनी सन्मानिय जगह पे श्री लेखराजजी अपने बिजनेस, सामाजिक, सहकारी तथा धार्मिक सेवा की संस्थाओ के पदों में नियुक्तहै।

हाल में AIFDMS ने आपको राजस्थान का प्रभारी बनाया है बड़ी लगन से सामाजिक संघठन कर रहे है और आप AIFDMS के गौ-सेवा के काम को आगे ले जा रहे है।

आपका पूरा परिवार सदैव धार्मिक अवं सामाजिक गतिविधियों में अग्रिम रहा है। आप सभी ढाट माहेश्वरी सदस्यों से अनुरोध करते है की यथाशक्ति सामाजिक कार्यो में सहयोग करे आपका मानना है की मानवसेवा और गौ सेवा सभी सेवाओं से सर्वोपरि है। और AIFDMS की हरिद्वार मुकाम पे भागवत कथा जो थी उस कार्य को संपन्न कराने में आपका बड़ा योगदान रहा।

लेखराजजी ने अपने पिताजी के सेवाकार्यो को आगे बढ़ाते हुए गायत्री शक्तिपीठ में हमेशा जुड़े रहे और धार्मिक कार्यो को तन-मन-धन से निर्वाह कर रहे है।

LIST OF DONORS FOR ALL INDIA FEDERATON OF DHAT MAHESHWARI SAMAJ'S QUARTERLY

MAHESHWARI SANDESH FOR FINANCIAL YEAR 2017-18

SR.NO.	AREA	MEMBER'S NAME
1	AHMEDABAD	ABHIMANYU ISARDAS CHANDIRA
2	AHMEDABAD	ANILKUMAR TULJARAM MAHESHWARI
3	AHMEDABAD	ARJUNDAS JAGUMAL RATHI
4	AHMEDABAD	BHARATKUMAR VISHANDAS RATHI
5	AHMEDABAD	BHAVANISHANKAR GAUTAMDAS MOHTA
6	AHMEDABAD	CHETANKUMAR ABHIMANYU GOKLANI
7	AHMEDABAD	DHARAMDEV MANEKLAL RATHI
8	AHMEDABAD	DINESHKUMAR GHANSHYAMDAS CHANDAK
9	AHMEDABAD	HARISHKUMAR SUKHRAMDAS BHUTDA
10	AHMEDABAD	HASMUKH JERAMDAS BACHANI
11	AHMEDABAD	I.P.MAHESHWARI
12	AHMEDABAD	KARANMAL DUNGROMAL MAHESHWARI
13	AHMEDABAD	MANUBHAI DEVJIBHAI HARANI
14	AHMEDABAD	NARENDRAKUMAR P. MATHRANI
15	AHMEDABAD	PHARASRAM LAXMANDAS KACHORIA
16	AHMEDABAD	PITAMBERDAS BHOMJIMAL RATHI
17	AHMEDABAD	PRAHLAD AKHOMAL RATHI
18	AHMEDABAD	PRAKASH C. RATHI
19	AHMEDABAD	RAJENDRAKUMAR BHOMRAJ RATHI
20	AHMEDABAD	SURESHKUMAR KISHANLAL RATHI
21	AHMEDABAD	VIDHYABEN CHATURBHUJ MALPANI
22	ANAND	BHARATKUMAR JAGDISHCHANDRA MAHESHWARI

SR.NO.	AREA	MEMBER'S NAME
23	ANAND	MADANLAL GIRDHARILAL SANJHIRA
24	ANAND	VASUDEV GANESHDAS BHOOTADA
25	BORSAD	DILIPKUMAR YUDHISHTHIR CHANDIRA
26	BORSAD	MADANLAL BALKRISHNA CHANDIRA
27	BORSAD	GAUTAMDAS KANJIMAL BHUTDA
28	TARAPUR	ASHOKKUMAR GORDHANDAS SHARDA
29	TARAPUR	TARAPUR ROYAL STRIKER CRICKET TEAM
30	BORSAD	DINESHKUMAR ARJUNDAS SHARDA
31	MODASA	AMOLAKHDASUTTAMCHAND GOKLANI
32	MODASA	1. HARIOM INDUSTRIES ,GANESPUR, MODASA 2. TANUMAL DAMOMAL RATHI & BROTHERS, MODASA
33	MODASA	RAVISHANKAR GORDHANDAS CHANDIRA
34	MODASA	SUNILKUMAR KASTURCHAND CHANDAK
35	BHILDI	JHAMANDASCHELARAM MULANI
36	BHILDI	MADANLAL RATANLAL MOHTA
37	DEESA	ARJUNDAS GHANSHYAMDAS RATHI (SAJNANI)
38	DEESA	KANTILAL PARMANANDDAS MAHESHWARI
39	DEESA	VIJAYKUMAR MATHURDAS KELLA
40	PALANPUR	B. SHARDA LIEF SCIENCE SYRUP MANUFACTURING UNIT - 9824332266
41	PALANPUR	JAIPRAKASH BHAGCHAND KELLA
42	PALANPUR	PRAKASHKUMAR ROOPCHAND MAHESHWARI
43	BANGALORE	DR. VASU DEO MEGHRAJ SHARDA (AKHANI)

धानेरा महिला मंडल की विविध प्रवृतियाः

वृक्षारोपण कार्यक्रम, धानेरा महिला मंडल

जन्माष्टमी त्यौहार - धानेरा महिला मंडल

महिला मंडल धानेरा

गांधीधाम समाज की विविध प्रवृतियाः

श्री मुरलीधर जगानी का विशेष सन्मान करते हुए गांधीधाम माहेश्वरी समाज रे प्रमुख श्री डॉ.हसमुख केला।

आप राज्य के प्रतिष्ठित गांधीधाम चैम्बर कमिटी में पिछले 24 सालो से चुने हुए सदस्य है ओर 6 बार मानद मंत्री भी चुने गए है, आप गांधीधाम मर्केंटाइल लि. बैंक में पिछले 18 सालो से डायरेक्टर की सेवा दे रहे है।

गांधीधाम कच्छ के प्रख्यात माहेश्वरी हैंडलिंग प्रा. लि. के श्री चंदन माहेश्वरी ने दिनांक 6-6-2017 के रोज केन्द्रीय राज्य शिपिंग मंत्री श्री मनसुखभाई मंडविया के हाथो से कांडला पोर्ट वर्ष 2016-17 के दौरान एक ही दिन में नमक का 54 हजार मेट्रिक टन लोडिंग करने पर प्रथम पुरस्कार एवम एक ही दिन में 42 हजार मेट्रिक टन आयिति कोयला अनलोडिंग करने पर द्वितिय पुरस्कार प्राप्त किया, माहेश्वरी हैंडलिंग प्रा.लि. के प्रणेता श्री छगनलाल पीताम्बर माहेश्वरी पिछले काफी बरसों से यह व्यवसाय में अपना पहला स्थान सुरक्षित रखा है।

पालनपुर महिला मंडल की विविध प्रवृतिया

बुजुर्गो के साथ पिकनिक का आनंद-पालनपुर महिला मंडल

राखी प्रतियोगिता-पालनपुर महिला मंडल

जन्माष्टमी प्रोग्राम-पालनपुर महिला मंडल

चैस टूर्नामेन्ट Blind People Association- पालनपुर महिला मंडल

रानीवाडा समाज-गणपति महोत्सव

विविध प्रवृतियां-तलोद समाज

तलोद महिला मंडल

तलोद-जन्माष्टमी प्रोग्राम

तलोद-माहेश्वरी भवन खाद मुहूर्त

तलोद-माहेश्वरी भवन खाद मुहूर्त

नोट - तलोद माहेश्वरी भवन के निर्माण के लिए जमीन स्व.गोरधनदास जगरूपदास चंदिरा परिवार की और से समाज को दान के रुप मे दी गयी है।

नरोडा की विविध प्रवृतियां

भगत परम्परा : एक गौरवमय विरासत

ढाटी संस्कृति की समृद्ध विरासत में ईश-भक्ति के भी उच्च कोटी के माणक व मोती रहे है, जिनकी परम्परा व प्रतीक रूपी माला आज भी हमारे पलायन के साथ पलायनित होकर देवस्थानो के रूप में हमारे बीच विश्वास व आस्था के केन्द्रके रूप में अपनी अक्षय आभा बिखेरे हुए है, विरासत की इस कडी-क्रम में प्रातः स्मरणीय परमपूज्य संत शिरोमणी भक्त हरदास जी का द्वार (गद्दीस्थल) हम ढाटीयो के लिये आज भी आस्था, आध्यात्मिकता गौरव व पूजा-अर्चना का विषय व ईश-स्थली है, थली स्थल छाछरो के छांगाणी परिवार के कानजीमल के घर जन्मे संत हरदासने आठ वर्ष की आयु में एक सुबह सबको कहा की यहाँ से निकलो, हमला होने वाला है, कोई माना नही, बच्चे की जिद के कारण छांगाणी व राठी परिवार के मनसुखदास गाँव से बहार चले गये। सुबह पठानों ने हमला बोल व मारकाट कर के पूरा गाँव लूट गये। यह दोनो परिवार फिर मिठ्ठी आ गये। हरदास बाल्यकाल से ही वैरागी व ईश-भक्ति के सिद्ध व अनुकरणीय प्रतिनिधि थे। बालक हरदास साधना एवं गहन इश भक्ति में स्वयं ब्रहमस्वरूपी, सिद्ध पुरुष, संत व भक्तशिरोमणी के रूप में उस समग्र क्षेत्र में माने जाने लगे। पुण्य प्रताप की इस अवीरत धारा के चलते यह परिवारा भगत की पदवी से जाना जाता है, यह परिवार व उसकी गद्दी विरासत थली निवास के उस काल से आज के स्थल (खैरथल व पालनपुर) तक भक्तशिरोमणी संत हरदास उनके वंशज संत नरसींगदास व संत रामचंद्रजी की तपो विरासत व ब्रहमस्वरूपी धाम के रूप में आज दिन तक ढाटीयों के लिए आस्था केन्द्र व पूज्य है। संत हरदास की भक्ति-तपस्या की विरासत के सम्यक संवाहक भक्त श्री नरसींग दास व रामचंद्रजी भी सिद्ध पुरुष के रूप में स्थापित हुए। इस संतो के तपोबल से उस क्षेत्र के जनमानस के लिए इन भक्तो की वाणी व द्वार हर समस्या के समाधान का धाम के रूप में स्थापित हो गई। मीठी में उन संतो का समाधि स्थल है, प्रत्येक भादो-दुज पर भारत व पाकिस्तान के द्वारो पर मेला लगता है। सतसंग व धूप का आयोजन होता है, महेश्वरी, पुष्यकरणा,लुहाणा, सोनारा व हर जाति के लोग बडी आस्था के साथ वार्षिक मेले व प्रत्येक चांद पर इन द्वारो पर मथा टेक कर दुवाये मांगते हे। भगत रामचंद्रजी के बडे पुत्र तुलजाराम 1948 में खेरथल (राजस्थान) आ गये थे। छोटे पुत्र परसरामजी मिठ्ठी में रहे थे। 1950 की एक शाम भगत रामचंद्रजीने इन्हें हिन्दुस्तान जाने को कहा व गुजरात में बसने को कहा, वहां तुम अकेले नहीं होंगे, पूरी मिठ्ठी तुम्हारे पास आयेगी। हालांकी भगतरामचंद्रजी ने हिदुस्तान देखा नही था। पितृ-आज्ञा को मानकर भगत परसरामजी गुजरात में पालनपुर आये, उस समय पालनपुर मे श्री हेमराज बचाणी व कस्तुरचंद शारदा अदि दो-तीन घर थे, आज 250 मिठ्ठि के माहेश्वरी घर है, जो परसरामजी को भगत साब के नाम से ही जानते है ढाट माहेश्वरी समुदाय इस भक्त विरासत को आज दिन तक आस्था के साथ नमन करते है। नवदंपति, नवजात बच्चो के भावी जीवन के लिए आज भी भगत-द्वार के आशीर्वाद लेने की परम्परा है। अहमदाबाद में भी भादो दूज का मेला लगता है। इस गुमनाम. व समृद्ध विरासत को कोटि-कोटि वंदन

परसरामजी भगत के बाद उनके तीन पुत्र हरीश भगत, महेश भगत और विष्णु भगत मे ज्येष्ठ पुत्र हरीश भगत ने गादी संभाली थी।

सिद्ध पीठ श्री सिद्धिविनायक मंदिर

धार्मक स्थल में आज हम चलते है श्री सिद्धिविनायक मंदिर मुंबई(महाराष्ट्र) और जानते है वहां की कुछ रोचक बातें

सिद्धिविनायक गणेश जी का सबसे लोकप्रिय रुप है। गणेश जी जिन प्रतिमाओ की सूंढ दाई तरफ मुडी होती है। वे सिद्धपीठ से जूडी होती है और उनके मंदिर सिद्धिविनायक मंदिर कहलाते है । कहते है कि सिद्धिविनायक की महिमा अपरंपार है, वे भक्तो की मनोकामना को तुरंत पूरा करते है। मान्यता है कि ऐसे गणपति बहुत ही जल्दी प्रसन्न होते है और उतनी ही जल्दी कुपित भी होते है।

सिद्धिविनायक की दूसरी विशेषता यह है कि चतुर्भूजी विग्रह है। उनके उपरी दाए हाथ में कमल और बाए हाथ में अंकुश है और नीचे के दाहिने हाथ में मोतियों की माला और बाए हाथ में मोदक(लड्डुओं) भरा कटोरा है। गणपति के दोनों ओर उनकी दोनों पत्निया रिद्धि और सिद्धि मौजूद है जो धन,ऐश्वर्य, सफलता और सभी मनोकामनाओ को पूर्ण करने का प्रतीक है। मस्तक पर अपने पिता शिव के समान एक तीसरा नेत्र और गले में एक सर्प हार के स्थान पर लिपटा है। सिद्धि विनायक का विग्रह ढाई फीट ऊचा होता है और यह दो फीट चौडे एक ही काले शिलाखंड से बना होता है।

यू तो सिद्धिविनायक के भक्त दुनिया के हर कोने में है लेकिन महाराष्ट्र में इनके भक्त सबसे ज्यादा है। समृद्धि की नगरी मुंबई के प्रभादेवी इलाके का सिद्धिविनायक मंदिर उन गणेश मंदिरो में से एक है, जहा सिर्फ हिंदू ही नहीं, बल्कि हर धर्म के लोग दर्शन और पूजा-अर्चना ले लिए आते है। हालांकि ईस मंदिर कि न तो महाराष्ट्र के अष्टविनायकों मे गिनती होती है और न सिद्धि टेक से इसका कोई संबंध है, फिर भी यहाँ गणपति पूजा का खास महत्व है। महाराष्ट्र के अहमदनगर जिले के सिद्ध टेक के गणपति भी सिद्धिविनायक के नाम से जाने जाते है और उनकी गिनती अष्टविनायको में की जाती है। महाराष्ट्र में गणेश दर्शन के आठ सिद्ध ऐतिहासिक और पौराणिक स्थल है, जो अष्टविनायक के नाम से प्रसिद्ध है। लेकिन अष्टविनायकों से अलग होते हुए भी इसकी महत्वता किसी सिद्ध-पीठ से कम नही।

आमतौर पर लगभग भक्तगण बाई तरफ मुडी सूंढवाली गणेश प्रतिमा की ही प्रतिष्ठापन और पूजा - अर्चना किया करते है कहने का तात्पर्य है कि दाहिनी ओर मुडी गणेश प्रतिमाए सिद्ध पीठ की होती है और मुबई के सिद्धिविनायक मंदीर में गणेशजी की जो प्रतिमा है, वह दाई ओर मुडे सूंढवाली है। यानी यह मंदिर भी सिद्ध पीठ है।

किवदंती है कि इस मंदिर का निर्माण संवत 1692 में हुआ था। मगर सरकारी दस्तावेजों के मुताबिक इस मंदिर का 19 नवबंर 1801 में पहली बार निर्माण हुआ था। सिद्धिविनायक का यह पहला मंदिर बहुत छोटा था। पिछले दो दशको में कइ बार पुन: निर्माण हो चुका है। हाल ही में कुछ समय पहले 1991 में महाराष्ट्र सरकार ने इस मंदिर के भव्य निर्माण के लिए राशी प्रदान कराई । 20 हजार वर्गफीट के अलावा दूसरी मंजिल पर अस्पताल भी है, जहा रोगियो की मुफ्त चिकित्सा की जाती है। इस मंजिल पर रसोईघर है, जहां से एक लिफ्ट सीधे गर्भग्रह में आती है। पूजारी गणपति के लिए निर्मित प्रसाद व लड्डु इसी रास्ते से लाते है।

नवनिर्मित मंदिर के गभारा यानी गर्भग्रह को इस तरह बनाया गया है ताकि अधिक भक्त गणपति का सभामंडप से सीधे दर्शन कर सके । पहले मंजिल की गैलेरिया भी इस तरह बनाई गई है कि भक्त वहा से भी सीधे दर्शन कर सकते है । अष्टभुजी गर्भग्रह तकरीबन 10 फीट चौडा और 13 फीट ऊचां है। गर्भग्रह के चबूतरे पर स्वर्ण शिखर वाला चांदी का सुंदर मंडप है,जिसमें सिद्दि विनायक विराजते है। गर्भग्रह में भक्तो के जाने के लिए तीन दरवाजे है, जिन पर अष्टविनायक, अष्टलक्ष्मी और दशावतार की आकृतियां चित्रित है।

वैसे भी सिद्धिविनायक मंदिर में हर मंगलवार को भारी संख्या में भक्तगण गणपति बप्पा के दर्शन व अपनी अभिलाषा पूरी करते है , मंगलवार को यहा इतनी भीड होती है कि लाईन में चार-पांच घंटे खडे होने के बाद दर्शन हो पाते हैं। हर साल गणपति पूजा महोत्सव यहा भाद्रपद की चतुर्थी से अनंत चतुर्दशी तक विशेष समारोह पूर्वक मनाया जाता है।

गणपति बप्पा मोरया, मंगलमूर्ति मोरया

हरीश भुतडा

समाज के चमकते सितारे

मोरबी माहेश्वरी समाज का गर्व.
कचोरिया नम्रता उमेशभाई M.Phil. में 68% के साथ उत्तीर्ण होने वाली पहली छात्रा है

सूरज प्रफुलभाई मालपानी-अहमदाबाद को मार्च 2017 10th बोर्ड की परीक्षा मे 99.97% लाने पर हार्दिक बधाई

याशिका भावेशभाई कचोरिया को सीबीएसई क्लास 10th में 95% आने पर हार्दिक बधाई

रोशन गिरधारी लाल चांडक अहमदाबाद को CA (2017) बनने पर हार्दिक बधाई

तक्ष कमलेश शाह रेडियो सिटी आयोजित यंग चैम्प सिंगिग कोम्पीटीशन में द्वितिय स्थान प्राप्त होने पर पर हार्दिक बधाई

पंकज अशोकभाई माहेश्वरी मोरबी-सरदार पटेल यूनिवर्सीटी वल्लभ विद्यानगर में 3rd आने पर हार्दिक बधाई

करण अरविन्दभाई राठी जयपुर, इंडियन एयर पिस्टल (जूनियर मेंस), हेनोवर जर्मनी में आयोजित इंटरनेशनल शूटिंग कॉम्पीटीशन मे गोल्ड मैडल मिलने पर बहुत बहुत बधाई।

मैत्री जगदीश भाई माहेश्वरी, खेल महाकुम्भ मिक्स डबल्स टेबल टेनिस मे बनासकांठा जिल्ला स्तर पर जीतने पर हार्दिक बधाई

नमन गोविंदराम माहेश्वरी, जोधपुर राजस्थान बोर्ड के स्कुल प्रतीयोगीता मे - बैडमिंटन चैंपियन होने पर हार्दिक बधाई

इन नन्हें हाथों की छुअन, आज भी याद हे मुझे!
पकड ऊँगली मेरी, तेरा पहला कदम आज भी याद हे मुझे!
वो शब्दों से लडना,खिलौने पटकना
मासुम सी शरारत, ले बाहों मे भरना
आज भी याद हे मुझे!
नहीं भरता हे दिल मेरा, तुझे यूहीं सोता देख...
कि पीठ को तेरी थपथपाना
आज भी याद हे मुझे!
बेफीक्र तेरा बचपन, मुझको भी कुछ सिखाता हे
अपने बचपन के गलियारों मे घुमके जब आता है
कभी इधर भाग, कभी उधर भाग
हर ख्वाहिशों का नया राग आज भी याद हे मुझे!
रंगो के कुरूक्षेत्र मे,जब भी तु उतरती है,
मम्मी तेरी हालत देख
पीछे तेरे पडती हे,फिर छिप जाना मेरे पीछे,आखों को अपने मिंचे आज भी याद हे मुझे!
इन नन्हें हाथों की छुअन, आज भी याद हे मुझे!

Dr. Manish Maheshwari, Delhi

डॉ. अशोक महेश्वरी पालनपुर को MDA (महेश्वरी डॉक्टर एसोसिएशन) के प्रमुख बनने पर हार्दिक बधाई

नरेश केला, गुजरात प्रांतीय माहेश्वरी युवा संगठन में स्टेट सेक्रेटरी एवंम झालावाड़ चैम्बर ऑफ कॉमर्स कमिटी में मेंम्बर होने पर बहुत बहुत शुभकामनाएं।

નિખાલસતા તો ગઈ, ભેળો ભોળપણ હલ્યો ગયો
બસ ઈંજ સમાજદાર થીયણ મી બચપણ હલ્યો ગયો
કોની હતી ચિંતા કાલરી, કોની હતો ભૂતકાળ રો અફસોસ
બસ ભવિષ્યરી ચિંતા કરણ મી બચપણ હલ્યોહલ્યો ગયો
હસે લિતો તો કોઈપણ વાત તે,ને રોઈતો પણ ખુલે દિલમાં
હવે કી કહી સે દુનિયા, એ વીચારણ મા બચપણ હલ્યો ગયો
રમતો તો ઘણો કાદવમી, ને વસાદના ઘણો માણતો
હવે રેનકોટ પહેરણ મી બચપણ હલ્યો ગયો
બનાયા હતા બંગલા માટીરા આપરા કપડાં બીગાડે ને
ને હવે સજા સમું સુઠો દેખાણ મી બચપણ હલ્યો ગયો
ભલે થીણો હતો જરા વડો, પણ વડાઈ કોની હતી કીથ
હવે બીજા ભેળો દેખાદેખી કરણ મી બચપણ હલ્યો ગયો
આવડતી કોની હતી પ્રાર્થના, પણ ઈશ્વર શ્રદ્ધાસચી હતી
ભક્તિ ભેળો સ્વાર્થ જોડણ મી બચપણ હલ્યો ગયો
વડો થિનો ટાઈમ ભેળો,એ તો નિયમ અય કુદરત રો
પણ બીજા કરતા આપના વડો કરણ મી બચપણ હલ્યો ગયો

સંકલન - કીર્તિ મયારામ બઠ્ઠર(છાપીવાળા) થાણે, મહારાષ્ટ્ર
મોબાઈલ - ૯૮૩૩૧૭૦૩૩૩

બદલાતા કલયુગ માંપ.
ટાણાં ગયા વાણા ગયા   ભાઈ ભાંડુ ને ભાણા ગયા
મરણ પછી ના કાણા ગયા બળતણ માં થી છાણાં ગયા
હાલરડાં ના હાલા ગયા લગ્ન માં મગત ને ફટાણા ગયા
આઈસક્રીમ ના આડંબર માં મીઠા ગોળ ને ધાણા ગયા
કેક અને ચોકલેટ ની જીદ માં મિસરી ને પતાસા ગયા
લાપસી ગયી કંસાર ગયા ખીર ને ખાજા ગયા
બ્રેડ પાવ ના બ્રેક ફાસ્ટ માં ટીકલી ને દહીં ગયા
પિઝા બર્ગર ના જમણ માં ખીચડી અને રબડી ગયા
કોલ્ડ ડ્રિન્ક ની માંગ પાછળ થાડેલ ના પીણાં ગયા
પ્લાસ્ટિક ની બોટલો આવી ઠંડા પાણી ના માટલા ગયા
ધોતી ને ઓઢણ ગયા ટોપી પાગડી ખેસ ગયા
નિત બદલાતી ફેશન માં પુરુષ સ્ત્રી ના ભેદ ગયા
ફેસ્ટિવલ ડે ઉજવાતા તીજ ને ત્યોહાર ગયા
પંચ ગયા મહાજન ગયા ન્યાત નીતિ ના વજન ગયા
કોર્ટ કચહરી ના આંટા ફેરા માં જન થી દૂર સ્વજન ગયા
ખોટા અનુકરણ માં સભ્યતા ને સંસ્કાર ગયા
ચડસા ચડસી ની દૌડ઼ માં જીવન ના મૂલ્યો ગયા
હાલ ના ઘોર કલયુગ માં આપણા તો સદગુણ પણ ગયા
લિ.. ગીતા ડી માલાની , વડોદરા

जयश्रीबेन भरतभाई केला UGVCL (उत्तर गुजरात विज कंपनी) पावर कंपनी में नायब अधीक्षक का पदभार संभाल रहे है, उनको चेस की 12th इंटर सर्किल टूर्नामेंट में विजयी होने पर हार्दिक बधाई ।

ललित बी. माहेश्वरी और मनोज बी. माहेश्वरी को खेल महाकुम्भ में डबल्स टेबल टेनीस टाइटल जिल्ला बनासकांठा स्तर पर जीतने पर हार्दिक बधाई ।

माहेश्वरी अश्विनी अशोककुमार अहमदाबाद - 3rd MBBS में सर्वोत्तम मार्क्स प्राप्त एवम गोल्ड मैडल मिलने पर हार्दिक बधाई ।

जयप्रकाश भवानीजी माहेश्वरी - रोटरी क्लब पालनपुर सिटी के वर्ष 2017-18 के प्रमुख बनने पर हार्दिक बधाई ।

नन्दलाल देवीलाल माहेश्वरी बाजवा - वड़ोदरा तालुका कांग्रेस समिति के उप-प्रमुख बनने पर हार्दिक बधाई ।

झरना दिलीपभाई माहेश्वरी गुजरात की दूसरी महिला है जो आँखों की तकलीफ होने के बावजूद PHD की डिग्री प्राप्त की है जिसके लिए उन्हें बहुत बहुत बधाई

PHD in English Comparative Literature
Assistant Professor English at CUG
(Central Unit of Gujarat)

माहिर उमंग वैष्णव - जिल्ला कराटे टूर्नामेंट में गोल्ड मैडल जीतने पर हार्दिक बधाई। माहिर ने गोल्ड मैडल ''कटा'' और सिल्वर मैडल कुमिते (फाइट) में भरुच स्टेट लेवल टूर्नामेंट जीता, जिसके लिए बहुत बहुत बधाई।

ध्रुवी उमंग वैष्णव - जिल्ला कराटे टूर्नामेंट में गोल्ड मैडल जीतने पर हार्दिक बधाई। ध्रुवी ने सिल्वर मैडल ''कटा'' और ब्रॉन्ज. मैडल कुमिते (फाइट) में भरुच स्टेट लेवल टूर्नामेंट जीता, जिसके लिए बहुत बहुत बधाई । ध्रुवी राज्य स्तर पर 450 प्रतियोगियो में से सबसे छोटी उम्र की खिलाडी थी।

तुषार हरीशकुमार देवानी पाटन - भारत जानो प्रश्नमंच प्रतियोगिता में स्कूल, जिल्ला स्तर ऐवं प्रान्त स्तर (उत्तर गुजरात) में प्रथम स्थान प्राप्त करने पर हार्दिक बधाई ।

जयपुर

अखिल भारतीय माहेश्वरी महासभा अध्यक्ष श्री शुभाषसुन्दरजी सोमानी ने श्री लेखराजजी माहेश्वरी को अखिल भारतीय औद्योगिक एवम व्यापर संवर्धन समिति के माननीय सदस्य नियुक्त किया गया है जो ढाटी समाज के लिए गौरव की बात है AIFDMS की ओर से श्री लेखराजजी माहेश्वरी को हार्दिक बधाई

वडोदरा

कैलाश माहेश्वरी ने पर्यावरण दिवस पर बेस्ट स्लोगन का अेवोर्ड श्री भरतभाई डांगर (वडोदरा मेयर) से सन्मानित होने पर हार्दिक बधाई

Women Entrepreneur in Academic Field, Surat

मे चंचल बचानी आज अपने समाज के युवा पीढी के साथ अपने अनुभव साझा कर रही हु, जो आपके मार्गदर्शन में सहायक सिद्धि हो सकते हा, मेरा जन्म जयपुर में श्रई लजपत राय मुरारदासजी कचोलिया के यहां 22-10-1980 को हुआ और मेरी शादी मंहेन्द्र नांजोमल बचानी के यहा हुई, माता सरस्वती देवी की कृपा से शादी के बाद भी शिक्षा में अगाघ रुचि के कारण मेने अपना बी.ए. और बीएड पूर्ण किया मेरा शिक्षा के क्षेत्र में अत्यधिक लगाव होने के कारण मैंने अपना करिअर एक नीजी स्कूल में नर्सरी शिक्षिका के रुप में शुरू किया परिश्रम से स्कुल के माध्यम से देश के हित में बालको में संस्कार का विकास करने के लिए प्रतिबध हू. सांय कालीन के समय में स्कुल से सम्बधित प्रकार की गतिविधियो का आयोजन भी किया जा रहा है। जिससे बालको का सार्वजनिक विकास कर सके।

वेस्टर्न अहमदाबाद ढाटी माहेश्वरी बंधु

वेस्टर्न अहमदाबाद यह एक अहमदाबाद का हिस्सा है। अहमदाबाद में ढाटी माहेश्वरी बंधुओंके लगभग 800 से 900 घर है। थर के हर गांव के घर अहमदाबाद में है यहाँ अपनी नई़ी पहचान के साथ भी पहचाने जाने लगे है। जैसे कोई घर छाछरे का है लेकिन बटवारे के बाद या 65 या 71 की लड़ाई के बाद वह थराद में रहता था और अब वह अहमदाबाद में रहने आया तो लोग उसे थरादवाला बोलते है समय के साथ पहचान भी बदलने लगी है फिर भी पुरानी पहचान सामाजिक स्तर पर सयोंजक के रखी हुई है

इस आर्टिकल के माध्यम से आज अहमदाबाद में वेस्टर्न अहमदाबाद के बारे मे यानी इस क्षेत्र में बसे हुए ढाटी माहेश्वरी बंधुओ के बारे मे लिख रहा हु। अहमदाबाद में यु अलग अलग ओरियो में बंधू बस रहे है जैसे मणिनगर , ईसनपुर, नरोडा, शाहीबाग ,साबरमती और वेस्टर्न यह बड़े क्षेत्र है जो कई छोटे क्षेत्रो को समाये हुए है और सब अहमदाबाद एक हैं।

भौगोलिक रूप से अहमदाबाद बड़ा हो गया है लोग अपनी आर्थिक शक्ति अनुसार या सामाजिक ध्रुवीकरण के कारण या बेटरमेंट के लिए अलग अलग अेरीया मे बसना चालू किया , वेस्टर्न अहमदाबाद तेजी से अति आधुनिक बढ़ता हुआ क्षेत्र है शहर की हर सुविधाएं यहाँ उपलब्ध है जैसे अच्छी कॉलेज, बढ़िया हॉस्पिटल, मंदिर, मोल्स, क्लब्स, क्लासीस ओर कई घूमने की जगहे।

यह सब सुविधाएं होने के कारण बहार से अहमदाबाद में रहने आनेवाले ढाटी बंधू अहमदाबाद वेस्टर्न में बसने लगे और थोड़े कम समय में ही ढाटीओ के घर इस क्षेत्र में बड़ी तेजी से बढ गए

फाइनेंस ओर आई टी कंपनीओ की ऑफिस इस अेरीया में और अन्य क्षेत्रो की ऑफिस इस क्षेत्र में होने के कारण जोब क्लास लोगो के लीये यह एरिया काफी सुविधाजनक है और धंधा रोजगार भी अच्छे विकसित हुए और खास कर पढाई की सुविधा अच्छी होने के कारण गांवो से इस एरिया में माइग्रेशन हो रहा है और बादमे यहाँ नौकरी या बिजऩेस में स्थाई यहां हो जाते है

इस क्षेत्र में ढाटी माहेश्वरी बंधुओंके अंदाजित 250 घर है। यह क्षेत्र काफी फेला हुआ है। रिहाइशी इलाका काफी स्केटर्ड है लेकिन ढाटी बंधू यहाँ त्यौहारों शादी-ब्याह सांस्कृतिक, सामाजिक या धार्मिक फंक्शन पर खुशी-खुशी मिलते है। नया एरिया और अलग-थलग होने के कारण एक दूसरे के प्रति मेल मिलाप की भावना तीव्र है। युवा वर्ग काफी है और एज्युकेशन का स्तर अच्छा है। आधुनिक सोच होने के बावजूद भी समाज के मूल से जुड़े हुए है। यहाँ तीज का त्यौहार, गणगोर, नवरात्री, होली जैसे त्यौहार सामूहिक रूप से मनाये जाते है । पिकनिक जैसे कार्यक्रम भी हुए है। AIFDMS (आंबावाड़ी) भवन में हर पूनम को भजन भी किये जाते हैं।

श्रद्धासुमन एंवम श्रद्धांजलि

स्व. तनसुखदास गणेशदास कडवा, भीलडी	स्व. रेखाबेन अशोककुमार चंदिरा, थरा
स्व. ताराचंद गिरधारीलाल हडकुट, भीलडी	स्व. प्रताप चंदीराम कडवा, भीलडी
स्व. श्रवणकुमार मोतीराम मनसुखानी, तारापुर	स्व. बचीदेवी नारायणदास शारदा, जयपुर
स्व. रतनलाल मनसुखदास गोमदाणी, भीनमाल	स्व. महादेव पूनमचंद केला, पालनपुर
स्व. मोहनलाल रामचंद गोमदाणी(भूतड़ा), पालनपुर	स्व. चतुर्भुज बालचंद माहेश्वरी, धानेरा
स्व. उर्मिला डॉ. परदीप राठी, दीयोदर	स्व. गौरीबेन तनसुखभाई शारदा, साबरमती
स्व. चन्द्रिका जवाहरलाल राठी, थराद	स्व. प्रेमकुमार तनसुखदास, मांजरोल
स्व. निर्मलाबेन तुलजाराम हरानी, इसनपुर	

क्या आपके पास खेल के लिए जन्मजात जुनून है

यदि आपका जवाब हां है, तो खेल आपके लिए करियर का अवसर है। खेल कई लोगो के लिए एक रोमांचक और स्वस्थ मनोरंजन का खेल है, लेकिन यदि यह खेल वास्तव में एक जनुन हो तो यह वहुत फायदेमंद और संतोषजनक कैरियर भी हो सकता है, पारंपरिक रूप से भारत में खेल विशेष रूप से एक शौक के रूप में माना जाता था, लेकिन अब इसे एक गंभीर कैरियर विकल्प के रूप में लिया जाता है।

खेल आपके शरीर को शारीरिक रूप से फिट रखने और अपने दिमाग को अच्छे से बनाए रखने मे मदद करता है, यदि आप खेल को कैरियर के रुप में चुनते है, तो यह बहुत ख्याति और पैसे भी देता है

व्यक्तिगतकौशल

चूंकि आज के खेलो मे बहुत अधिक शारीरिक ऊर्जा और सहनशक्ति की आवश्यकता होती है, इसलिए खेल के लोग ऊर्जावान, उत्साही और शारिरीक रूप से फिट होते है, धैर्य, द्रढता और खेल की भावना की क्षमता रखने के अलावा, उन्हे अपने खेल के लिए प्रतिबद्ध होना चाहिए

पात्रता और प्रवेश

खेलो में उभरती प्रतीभा को प्रोत्साहित और विकसित करने के लिए राष्ट्रीय स्तर पर भारतीय खेल प्राधिकरण Sport Authority of India का गठन किया गया है, SAI के पास राज्य स्तर की शाखाएं है जो खिलाडियों को बढावा देने के लिए बनाई जानेवाली विभिन्न योजनाए आयोजित करती है

आपको 12 वीं परीक्षा के बाद शारीरिक रूप से फिट शरीर और ऊर्जावान के साथ शारीरिक शिक्षा में स्नातक की डिग्री प्राप्त करनी होगी।

आपको 10+2 की परिक्षा पूरी करने के बाद यूजी पाठ्यक्रम में प्रवेश मिलेगा। यदि आप पीजी कोर्स करने में रूचि रखते है, तो आपको अपनी स्नातक की डिग्री पास करना होगा।

एमबीबीएस की डिग्री के बाद, आप स्पोर्टस मेडिसिन में डिप्लोमा कोर्स के लिए आवेदन कर सकते है,

न्यूनतम शैक्षणीक योग्यता 10+2 पास है, योग्य छात्रो को सरकार की तरफ से छात्र वृति और संस्थानो में प्रशिक्षण के रूप में वित्तीय सहायता दी जाती है, देश के खेल प्रतिभाओं को खोजने और उनका पालन करने के ऊद्देश्य से स्थापित कई राज्य स्तर और राष्ट्रीय स्तर के संघ और परिषद है

एसोसिएशन और खेल संगठन

नेशनल बास्केटबोल एसोसिएशन, राष्ट्रीय हॉकी संघ, नेशनल फुटबोल लीग, अखिल भारतीय टेनिस संघ, राष्ट्रीय खेल संस्थान, भारतीय ओलंपिक संघ

Top Colleges in India offer study in Sports:

- राष्ट्रीय खेल, पटियाला संस्थान
- इंदिरा गांधी शारीरिक शिक्षा और खेल विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली
- लक्ष्मीबाई नेशनल कॉलेज फॉर फिजिकल एजुकेशन, ग्वालियर
- लक्ष्मीबाई नेशनल कॉलेज फॉर फिजिकल एजुकेशन,तिरूवनंतपुरम
- एमआरएफ पेस फाउंडेशन, चेन्नई (MRF Pace Foundation, Chennai)
- गुजरात विश्वविद्यालय, अहमदाबाद (Gujarat University, Ahmedabad)
- राष्ट्रीय खेल पूर्व केद्र, कोलकता (National Sports East Centre, Kolkata)
- आदर्श कॉलेज ओफ फिजिकल एज्युकेशन, उस्मानाबाद
- एमिटी स्कूल ओफ फिजिकल एजुकेशन एंडस्पोर्टस साईंसिस, नोईडा
- भूपति टेनिस अकादमी बैंगलोर (Bhupathi Tennis Academy Bangalore)
- टाटा फुटबोल अकादमी, जमेशदपुर
- राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी, बैंगलोर
- दिल्ली विश्वविद्यालय (Delhi University)

Courses & Duration:

Diploma Course	Undergraduate Courses	Postgraduate Courses
Diploma in Sports Medicine	B.Sc in Physical Education, Health Education and Sports Sciences	Master of Physical education
Diploma in Sports Coaching	Bachelor of Physical education	M.Sc in Sports Coaching
Diploma in Sports Management	Bachelor of Arts (BA) in Sports Management	Post Graduate Diploma in Sports Medicine
Diploma in Sports Science & Nutrition	B.Sc (Hons) in Sports Science	Post Graduate Diploma in Sports Management
	B.Sc in Sports and Recreation Management	Post Graduate Diploma in Sports Business
	Bachelor of Sports Management (BSM)	MBA in Sports Management
	BBA in Sports Management	Master of Sports Management (MSM)
		M.Sc in Sports Science

Doctoral Degree Courses:

Ph.D in Physical Education • M.Phill in Physical Education • Ph.D in Sports Management

Career Scope & Job Prospects :

खेल देश के बहुत सारे रोजगार के अवसरों के साथ पुरस्कृत कैरियर विकल्प में से एक है।

प्रत्येक खेल व्यक्ति के लिए, यह अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपने देश का प्रतिनिधित्व करने का एक सपना है। आप अपने करियर को स्कूल और कॉलेज स्तर में शुरू कर सकते है और राज्य स्तर, क्षेत्रीय स्तर पर खेल सकते है और फिर राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तरों पर अवसरों की खोज कर सकते है।

वास्तव में एक सक्रिय खिलाडी होने के बजाय, अन्य करियर के अवसर है, खेल विपणन, कोचिंग, एथलेटिक प्रशासन, खेल-चिकित्सा, खेल-संवर्धन, खेल मनोविज्ञान

खेल व्यक्ति निजी और सार्वजनिक क्षेत्रमें नियोजित किया जा सकता है भारतीय सरकार और सशस्त्र बलों में असाधारण खेल प्रतिभा के लिए विशेष भर्ती अभियान भी है इस क्षेत्रमें अनुभव प्राप्त करने के बाद खेल उपकरण के निर्माण भी अपना खुद का व्यवसाय स्थापित कर सकते है

Job Profiles

शिक्षक, बायमेकेनिक, खेल मनोचिकित्कस, खेल पत्रकारत्व खेल खिलाडी, खेल कोच और प्रशिक्षक, टिप्पणीकार, खेल फोटोग्राफर, पर्सनल ट्रेनर, प्रोफेशनल एथलीट, फिजिकल एज्युकेसन टीचर, हेल्थ एडवाइज ऑफिसर, हेल्थ एंड पब्लिक सर्विसेज लीडर

कुछ क्षेत्रो में जहा आप खेल मैदान की नोकरी पा सकते है, उनका उल्लेख यहां दिया गया है

- मीडिया, खेल और विज्ञापन कंपनिया
- खेल प्रबंधन उद्योग
- शैक्षिक संस्थानो और कोलेजो
- मर्केंडाइजिंग कंपनिया

Coaching as Career Scope

कई माता-पिता ऐसे शित्रण संस्थानों की पसंद करते है, जो अपने बच्चो को तैराकी, घुडसवारी और योग आदि जैसी गतिविध्या को पूरा करे के लिए एक सशक्त पाठ्यक्रम प्रदान करते है।

शैक्षणिक संस्थानो के अलावा, कई निजी कल्ब युवाओं के शिक्षण समूहो के लिए कोच प्रदान करते है। ये विशेष छुट्टी बैचों या नियमित शाम बैचो को नियुक्त करते है।

Sport Journalism/Sport Commentating

संचार कौशल के साथ संपन्न लोगो को आसानी से हर्षा भोगले या रवि शास्त्री जैसे लोकप्रिय हो सकते है, टेलीविजन, अखबारों/पत्रिकाओं और अन्य मीडिया में तेजी से वृद्धि के साथ, खेल पत्रकारिता निश्चित रूप से उच्च वेतन वाले पेशे के रूप में सामने आई है।

अब स्टार स्पोट्‌र्स, ईएसपीएन, टेन स्पोट्‌र्स, जी स्पोट्‌र्स और डीडी स्पोट्‌र्स जैसे कई टेलीवीजन चैनल है जो केवल स्पोट्‌र्स प्रोग्राम को समर्पित है।

Sport Photographer

एक सौंदर्य समझ रखने के अलावा, एक खेल फोटोग्राफर के बारे में ज्ञान के माध्यम से होना चाहिए। खेल फोटोग्राफर हमेशा मांग में होते है। मुख्य रूप से जब प्रमुख स्पोर्टस इवेंट आयोजित होते है

Consultants

स्वास्थ्य और रखखाव के बारे में वर्तमान जागरूकता ने विशेषज्ञो की जरूरत पैदा कर दी है जो व्यक्ति को उनकी स्वास्थ्य जरूरत के बारे में सलाह दे सकते है और एक व्यक्तिगत फिटनेस कार्यक्रम को खास जीवन शैली,समय की कमी और अन्य प्रासंगिक कारणो के सुझाव दे सकते है

एसे विशेषज्ञ पेशवरों को प्रमुख स्वास्थ्य क्लबो द्वारा सलाहकार क्षमता में नियोजित किया जा सकता है। अस्पताल और पुनर्वास केंद्र ऐसे मसलो की सेवाओं का उपयोग भी करते है, जो उन शारीरिक रोगियों के लिए सर्वोत्तम कार्यवाहक कारवाई पर सलाह प्रदान करते है जिनके लिए संरचित शारीरिक गतिविधि की आवश्यकता होती है।

ऐसे विशेषज्ञ भी आवश्यक है, जो खेल व्यक्तिओ के दुर्धटनाओं में शामिल होते है, जो घायल व्यकितियों के खेल के क्षेत्र में मस्तिष्क, मांसपेशियों को खींच, फाडने वाले स्नायुबंधन, फ्रेक्चर आदि की निरंतर उपचार प्रदान करने के लिए है,

Umpire/Referee

यह एक कठिन काम है क्योंकि इस में खेल के नियमों के बारे में पूरी तरह से जानकारी आवश्यक है रेफरींग उनकी नौकरी नियमों और विनियमो के अनुसार खेलो और खेल को पूरा करना है, जो संबंधित प्रशासकीय निकाय द्वारा निर्धारित है, विभिन्न मान्यताप्राप्त राज्य और राष्ट्रीय खेल संगठन अंपायरो और रेफरी को रोजगार देते हैं।

Manufacturing Sports Equipment

नवाचार और अनुभव एक उत्कृत संयोजन है और खेल़ उपकरणो के निर्माण सहित कई क्षेत्रों में अच्छी तरह से काम करता है। यह एक बहुत ही विशिष्ट क्षेत्र है और नए उत्पादों का उद्देश्य है जो खेल व्यक्तियों की सहज क्षमताएं बढानें और उन्हें अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने में सक्षम बनाना है।

ओलंपिक / एशियन / कॉमनवेल्थ गेम्स जैसे बडे खेल आयोजन नियमित अभिनव उपकरण पेश करते है, जो कई मानक उपकरण बन जाते है। खेल के सामान और उपकरण का बढता बाजार है तभी विशेषज्ञ बाजार अनुसंधान और विकास में लगे हुए है।

Pros and Cons of Being in Sports

फायदा

- नाम और प्रसिद्धि जब आप देश के लिए खेलना शुरू कर देगें
- साथियो और खेल बिरादरी में सम्मान
- अगर आप खेल कोटा के तहत सरकारी संगठन के लिए काम कर कर रहे है तो अच्छा वेतन यदि आप एक स्टार बन जाते है, तो आपको विज्ञापन मिलते है

नुकसान

- कोई सुरक्षा नही
- अपने करियर के दौरान कडी मेहनत करना जारी रखे
- बहुत छोटा कैरियर खासकर यदि आप क्रिकेट, फुटबोल या हॉकी जैसी खेल खेल रहे है

नविन पी. कड़वा

सुरेश के राठी

Gingivitis

Dr. Darshana Maheshwari
Consulting Dental Surgeon
M: 9428843353

जिजीवाइटिसया गम रोग मसूडो की सूजन होती है, ये मसूडो के रोग की प्रारंभिक अवस्था है , यह गम लाइन पर जमा हुए प्लेक का कारण हो सकती है, मसुडो का रोग प्राय: वयस्को में सबसे अधिक होता है।

जिजीवाइटिस मसूडो की सूजन होती है , यदि प्लेक (एक चिपचिपा पदार्थ है जो लगातार गठन करता है जब कीटाणु मुहमें उपस्थित रहते है तो लार, खाद्य कणो और दांतो की सतह पर अन्य प्राकृतिक पदार्थ के साथ जमा हो जाता है, रोजाना ब्रशिंग और फ्रेशिंग के द्वारा दूर नहीं होता है तब जिंजीवाइटीस होता है। प्लेक दांतो पर जमा हो जाता है और गम लाइन के निचे मसूडो ऊतकों में परेशानी पैदा करता है और मसूडो के सूजन का कारन बनता है

यह मसूडो के सूजन की प्रारंभिक अवस्था के रूप में होती है। इसका आसानी से उपचार किया जाता है। हड्डी और सयोंजि उत्तक जो दांत को पकडे हुए होते है इस अवस्था में भी प्रभावित नही होते है। अगर जिंजीवाइटिस का इलाज नहीं किया जाये तो यह पेरिओडोन्टिस नामक बीमारी को बढा सकता है और दांत और जडबे के स्थायी नुकसान का कारण बन सकता है

जिंजीवाइटिस के विशिष्ट संकेत और लक्षण

मसूडे लाल होना, सूजन, टेंडर गम जिस में ब्रश करने पर खून आ सकता है। मसूडे जो परावृत होते दिखाई देते है और दांतो से खिंच जाते है जो दांतो को लंबी उपस्थिति देते है

यदि आपको निम्नलिखित लक्षण है तो आप के दन्त चिकित्सक से परामर्श करे :

लाल होना, फूलना या सूजन आ जाना,

ब्रशिंग और फोलिशिंग करते हुए मसूडो में खून आना

आपके दांतो का लंबा दिखाई देना क्योकि आपके मसूडे परावृत हो जाते है

अपनी बाईट हो बदले अर्थात बाइटिंग करने पर आपके दांतो का तरीका एक साख उपयुक्त हो।

आपके दांतो और मसूडों के बीच पस हो

यदि आपके मुँह में खराब सांसे और मुह का स्वाद खराब हो

जिजीवाइटीस दूर करने के लिए उपाय

रोजाना ब्रश करे और फ्लैश दांतो के बीच और गमलाइन के नीचे से प्लेक अच्छी तरह से दूर करता है। और नियंत्रण के लिए टैटार का निर्माण करता है

नियमित चिकित्सकीय जाँच के लिए जाये । निवारक देखभाल मिलनेवाली समस्याओको दूर कर सकता है और मामूली समस्याओ के बढ जाने से नियंत्रित करता है। एक दन्त चिकित्सक से क्लीनींग करना प्लेक से बचने के लिए महत्वपूर्ण होता है जो टैटार में कठोर होते है।

संतुलित आहार ले, आपके आहार में कैल्शियम अधिकतम वाले खाद पदार्थ होने चाहिए जैसे की दूध और पनीर जो कैल्शियम के रूप में दांतो को मजबूत बनाते है।

धूम्रपान और तंबाकू के अन्य रूपो से बचे।

ढ़ाट माहेश्वरी समाज के गौ-भक्त

ऑल इण्डिया फेडरेशन ऑफ ढ़ाट माहेश्वरी समाज द्वारा प्रेरित महेश गौ-सेवा समिति के सदस्य जिन्होंने वार्षिक सहयोग राशि Rs.5100/- देने का वचन दिया। क्षेत्र (Area) के अनुसार विस्तृत सूची अगले चार पेज पर हैं. कुछ सहयोगियों के नाम क्षेत्र (Area) सूची में रह गए हैं, उन्हें नीचे लिखा जा रहा हैं.

Anand	**Vasudev Ganeshdas Bhutada**
Bodeli	**Bhishmakumar Prabhulal Sharda**
Bodeli	**Kishanlal Asandas Chandak**
Chhani	**Kailash Maheshwari**
Chhani	**Maheshkumar Dhanraj Panpalia**
Godhra	**Mohanlal Nandlal Hadkut**
Halol	**Maheshkumar Pharasram Ladhad**
Halol	**Mukeshkumar Gautamdas Ladhad**
Halol	**Rajubhai Jaimaldas Panpalia**
Jarod	**Madanlal Gautamdas Ladhad**
Kot	**Kishanlal Nandlal Hadkut**
Modasa	**Jugalkishore Nenumal Sharda**
Sabarmati	**Indervadan Poonamchand Chandak**
Sankheda	**Sharvankumar Sukhramdas Kadwa**
Vadodoara	**Maheshkumar Malhar**
Vadodoara	**Sunilkumar J. Gigal**
Vadodoara	**Vijaykumar J. Gigal**

ऑल इण्डिया फेडरेशन ऑफ ढ़ाट माहेश्वरी समाज अपने सभी दाताओं का आभार प्रकट करती हैं जिन्होंने संस्था की अपील को मान देकर गौ-सेवा के नेक कार्य में जुड़ने की अपनी इच्छा व्यक्तकी.

ढाट माहेश्वरी समाज के गौ-भक्त

Anand
Anilkumar Bhomjimal Maheshwari
Bhagvandas Kasturchand Chandak
Nitesh Shishpaldas Maheshwari
Purshotamdas Kasturchand Chandak

Anklav
Harish Maganlal Maheshwari

Bagra
Pitamber Dayaramdas Karwa

Bajwa
Arjundas Narayandas Rathi
Dineshkumar Dasrath Kella
Maheshkumar Kachromal Rathi
Nandlal Meghraj Chandak

Bakra road
Ashokkumar Amolakdas Sharda
Jivraj Ramchandra Bhattar
Prabhulal Tejomal Kella
Shankarlal Keshrimal Bhattar

Balasinor
Kishanlal Hariram Mohata

Bangalore
Dr. Vasudev Meghraj Sharda

Barmer
Anilkumar Ghanshyamdas Rathi
Arjunlal Kripaldas Rathi
Babulal Vasudev Rathi
Farasram Kripaldas Rathi
Madanlal Nandlal Rathi
Mukeshkumar Lajpatrai Rathi
Pitambar Nandlal Rathi
Prathvi Gautamdas Chandak
Vasudev Parshottamdas Rathi

Bayad
Kishorekumar Pratapchand Rathi

Bhachau
Ashok Bhimraj Maheshwari
Yudhisthir Bhimraj Maheshwari

Bharuch
Dharmender Vedvyas Matharani

Bhildi
Dilipkumar Purshotam Karwa
Jhamandas Chelaram Mulani

Bhinmal
Rameshkumar Nandlal Rathi

Bhuj
Pradeep Lekhraj Rathi

Bodeli
Girishkumar Gautamdas Harkut
Kamlesh Asandas Chandak
Mohanlal Tulsidas Gigal
Rameshkumar Nandlal Harkut

Borsad
Ashokkumar Lekhrajbhai Rathi
Dilipbhai Yudhisterbhai Maheshwari
Dineshkumar Arjundas Maheshwari
Gordhandas Bankidas Sharda
Sureshkumar Poonamchand Kachoria

Chennai
Baldevbhai Meghrajbhai Sharda
Bhagvandas Chetandas Sharda

Chohtan
Kamleshkumar Amolakdas Chandira
Madanlal Dayaramdas karwa
Mohanlal Amolakdas Rathi

Dahej
Santosh Tikamdas Akhani
Vasudev Parmanand Motiani
Vasudev Parumal Sukhani

Deesa
Ankit Jaiprakash Kella
Arjunlal Ghanshyamdas Rathi
Arjunlal Ishwarlal Ladhar
Ashokkumar Bhojraj Chandak
Ashokkumar Kishanlal Rathi
Dalpat Vasudev Rathi
Dhanji Moolchand Mahehshwari
Kishanlal Nandlal Panpaliya
Mahesh Farasram Sharda
Maheshkumar Parmanand Maheshwari
Rajesh Parmanandas Maheshwari
Sandipkumar Madanlal Rathi
Sureshkumar Ratanlal Maheshwari
Vijaykumar Mathurdas Kella

Delhi
Ayodhyadevi Kishanlal Sharda
Dilip Kishanlal Sharda
Poonamchand Ramchandra Sharda

Dhanera
Rajeshkumar Chatrabhuj Maheshwari

Gadhraroad
Chamanlal Amolakdas Bhutra
Kailashkumar Kishanlal Bhutra
Raneshkumar Lajpatdas Rathi
Uttamchand Hathiram Bhutra

Gandhidham
Amolakbhai Nimbraj Kella
Ashish B Maheshwari
Dilipkumar Chaturbhuj Kella
Divyang Biharilal Ramwani
Farasram M Kella
Harish Jethanand Maheshwari
Hotchand Laxmandas chaudary
Karsanbhai Hotchand Maheshwari
Nimbraj Kharjuromal Ramwani
Paresh Jethanand Shah
Parul K Ramwani
Pradeep Natvarlal Ramwani
Ramesh Hathiram Kella
Vinod Chatrabhuj Rathi

Gandhinagar
Amolakhdas Ladhuram Chandak
Ashokkumar G. Maheshwari
Chamanlal Ranulal Maheshwari
Rajesh Haribhai Rathi
Pareshkumar Hiralal Rathi

Isanpur, Abad
Abhemanyu Dungromal Jeswani
Amitkumar Ashokkumar Maheshwari
Anilkumar Tuljaram Akhani
Ashokumar Tuljaram Akhani
Bherulal Pitamberdas Dhirani
Dr. Omprakash Inderlal Maheshwari
Girishkumar Pharasram Kachoria

Kamlesh Murlidhar Maheshwari
Kirtan Maheshkumar Bachani
Lovekumar Keshavlal Malhar
Maheshkumar Chhaganlal Bachani
Mehulkumar Lajpatram Mahehswari
Murlidhar Kushlomal Akhani
Pharasram Laxmandas Kachorya
Sureshkumar Jesaram Ramwani
Vasudev Thirpaldas Jeswani

Jaipur

Abhimanyu Narayandas Sharda
Arvind Mahadev Kacholiya
Arvind Chaturbhuj Rathi
Ashokkumar Vasudev Rathi
Bhawani Hiralal Ladhad
Dalpat Amolakdas Bhutra
Deepak Dharumal Bhutra
Gaurav Pitamberdas Ladhad
Gautamdas Loonkaran Ladhar
Gayatridevi Gautamdas Ladhad
Gopaldas Ranchhoddas Gilda
Heerachand Mathuradas Ladhar
Heeralal Loonkaran Ladhar
Hotchand Devomal Kachoria
Hotchand Mohanlal Lohiya
Jaikumar Ramchand Chandak
Jitendra Gopaldas Panpaliya
Kailash Kishanlal Karwa
Kishanlal Murardas Karwa
Lekhraj Mathuradas Maheshwari
Mahendarkumar Maheshwari
Nareshkumar Gautamdas Chandak
Omprakash Madanlal Kacholia
Rajeshkumar Loonkaran Ladhar
Rameshkumar Shishpaldas Rathi
Ranesh Sureshkumar Ladhar
Roshanlal Gautamdas Ladhad
Sharwan Poonamchand chandak
Sureshkumar loonkaran Ladhar
Swaroopkumar Hiralal Ladhad
Tuljaram Lalchand Kacholia
Visandas Mathuradas Maheshwari

Jaisalmer

Ashokkumar Tuljaram Rathi
Bhikhulal Jivanlal Karwa
Chamanlal Vishandas Maheshwari
Devkishan Bhutra
Maheshkumar Jairamdas Gigal
Prakashchand Prabhulal Bhutra
Rajeshkumar Govindlal Maheshwari
Santosh Sarangmal Sharda

Jalore

Babulal Govindram Bhattar
Bhawanishankar Ishawardas Ladhad
Mahadev Murlidhar Ladhar

Jalsan

Gautamdas Roopchand Maheshwari

Jodhpur

Arjundas Ranomal Rathi
Ashokkumar Khetaram Rathi
Bharat Hotchand Maheshwari
Hundraj Dolatram Karwa
Manojkumar Kheemraj Rathi

Kadi

Arvind Mulchand Rathi
Biharilal Dharmdas Rathi
Dilipkumar Jethanand Rathi
Dilipkumar Ravishankar Jiwani
Dineshkuamr Bekhatmal Maheshwari
Gautamdas Girdharilal kella
Hariram Girdharilal Kella
Jagdish Kumar Babulal Shah
Lalchand Bekhatmal Maheshwari
Lalitkumar Mohanlal Maheshwari
Maheshkumar Purshottamdas Shah
Nandlal Omkarmal Kella
Nandlal Trikamdas Rathi
Pankajkumar Poptalal Maheshwari
Rameshkumar Meghraj Sharda
Vasudev Omkarmal Kella

Kapadvanj

Avinash Kailash Rathi
Bharatkumar Sagromal Maheshwari
Bhawanishankar A Mehta
Bherulal M Lalwani
Choithram Kripaldas Vastani
Girishkumar Lajpatray Mohata
Pitambar Ambaram Mohta
Pitamber Bekhatmal Maeshwari
Prakash M Lalwani
Sharwankumar C Maheshwari
Shravankumar Rajumal Karwa
Tansukh Popatlal Gigal
Tarachand Khemchand Rathi
Vasudev Rajomal Karwa

Kathlal

Dr. Yogesh Lekhrajmal Rathi
Narayandas Lekhraj Maheshwari

Krishnanagar, Naroda

Madanlal Chunilal Harani

Kukarwada

Padmaben Durgeshbhai Shah

Maninagar

Arjundas Jagumal Rathi
Bhawanishankar Sirchand Lohiya
Chamanlal Girdharilal Harkhani
Chamanlal Hathiram Rathi
Dashrathkumar A Maheshwari
Dilipkumar Dungromal Mohta
Gautamdas Mohanlal Kella
Gitesh Gordhandas Kella
Lajpatrai Murlidhar Rathi
Mahadev M Kella
Maheshkumar Chunilal kella
Pitambardas Bhomraj Rathi
Rajendra Bhomraj Rathi
Santosh Chamanlal Rathi
Sureshkumar Meghraj Rathi
Tejprakash Bhomraj Rathi

Mansa

Chamanlal Amolakhdas Kella
Chamanlal Sajjanmal Shah
Devkinandan Shankarlal Maheshwar
Dharubhai Uttamchand Rathi
Ghanshyam Mahadevmal Maheshwari
Harishkumar Uttamchand Rathi

Kishanbhai Uttamchand Rathi
Lekhraj Uttamchand Rathi
Mukesh Jawaharlal Maheshwari
Waghjibhai Uttamchand Rathi

Modasa

Amolakdas Uttamchand Kella
Arjundas Jivrajmal Kella
Damomal Poonamchand Rathi
Dasrath Kasturchand Chandak
Gautamdas Poonamchand Harkut
Hemraj Prabhulal Karmani
Madanlal Vishandas Rathi
Narendra Hiralal Ladhar
Sunilkumar Kasturchand Chandak
Tansukhdas Purshotamdas Bhutra

Morbi

Dipeshkumar Nandlal Rathi
Dr. Kalpesh Khajuromal Kella
Harishkumar Chandiram Kella
Jayant Ghanshayambhai Sukhani
Jaysukh Amolakdas Kella
Lajpat Motiram kella
Mehulkumar Gautambhai Kachoriya
Pareshkumar Ghanshyambhai Kachoriya
Pravinbhai Prabhulal Kella
Rajeshbhai Nenumal Kachoriya
Tarachand Swaroopchand Kella
Tushar Khajuromal Kella
Vimalkumar Jayprakash Kachoriya

Mumbai

Anilkumar Khetaram Panpalia
Bansilal Khetaram Panpalia
Maheshkumar Dungromal Chandak
Rajkumar Dungaromal Chandak
Sureshkumar Dharumal Bhutada
Vijaykumar Nandlal Panpalia

Palanpur

Bhawanishankar Rupchand Maheshwari
Bhupendra Kishanlal Rathi
Biharilal Waghjimal Maheshwari
Dashrathlal P Karmani
Ganeshkumar Poonamchand Ladhad
Gautam Baldevbhai Kella
Jayprakash Bhagchand Kella
Kamlesh C Maheshwari
Kishorkumar Trikamdas Bhatthar
Labhshankar Uttamchand Ghuria
Lalit M Rathi
Nandlal Dharamdas Kachoria
Rameshchandra D Rathi
Ranmal Shambhumal Maheshwari
Santoshkumar Madanlal Rathi
Satramdas Sahdevmal Maheshwari
Shymdas A Lalwani
Thirpaldas K Rathi
Vedvyas Ukerdomal Kella
Vinodkumar Arjundas Maheshwari

Patan

Keshavlal Harchandrai Maheshwari
Maheshkumar Mayaram Rathi
Nandlal Harchnadrai Maheshwari
Vishalkumar Satramdas Shah

Raniwada

Sureshkumar Kishanlal Chandak

Revat-BR

Visnukumar Shivlal Kella

Revtada

Mohanlal Punamchand Bhattar

Sabarmati

Anilkumar Kishanlal Hadagirya
Ashokkumar D Karwa
Chandraben Kishanlal Chandak
Kantu Poonamchand Chandak
Pravinkumar Pitamberdas Bhutra
Rajni Chatrabhuj Kanvani
Raju Kishanlal Chandak
Vidhu Bhanwarlal Kacholia

Sanand

Dilipkumar Dayaram Ramvani
Dipchand Dayaram Ramvani
Madanlal Dayaram Ramwani
Premkumar Nandlal Matharani
Tarachand Dayaram Ramwani
Virjimal Dayaram Ramwani

Sanchore

Dilip Shishpaldas Bhattar
Jayshankar Govindram Rathi
Jugalkishore Nandlal Panpaliya
Omprakash Gopaldas Panpaliya
Pankaj Vachandas Rathi
Prempraksh Ghanshyamdas Bhattar
Shravankumar Dungromal Kadwa
Subhashkumar Bhanvarlal Maheshwari

Sangariya

Tansukhdas Mahadev Rathi

Sayla

Bansidhar Uttamchand sharda
Bhavarlal Mulchand Sharda
Dasrath Vasudev Chandak
Prakashchand Gotamdas Sharda
Rajendrakumar Uttamchand sharda
Vasudev Ranomal Rathi

Shahibagh

Bhawanishankar Gautamdas Mohta
Dr. Dinesh Madanlal Kella
Dr. Narendra J. Rathi
Girdharilal C. Chandak
Harishkumar Shishpal Gigal
Hiteshkumar Madanlal Rathi

Sivana

Manojkumar Bherulal Rathi

Surat

Bharatkumar Chatrabhuj Bhutra
Dineshkumar Sawailal Motiyani
Hiteshkumar Tuljaram Bhutra
Jaykumar Madanlal Akhani
Madanlal Gautamdas Panpalia
Prabhulal Gordhandas Maheshwari
Pravinkumar Rameshkumar Chandak

Surendranagar

Ashokkumar Bhupatram Bhutra
Chamanlal Asandas Maheshwari
Chandankumar Kaljimal Maheshwari
Chelaram Chunilal Maheshwari
Dilipkumar Lekhrajbhai Jeswani
Dr. Bhavanishankar Maheshwari

Jairambhai Mahadevbhai Rathi
Kailash Chandiram Sharda
Kirankumar Mahadevbhai Rathi
Madanlal Govindram Kella
Madanlal Mahadevbhai Rathi
Maheshkumar Govindram Kella
Rameshkumar Balchand Bhutada
Shankarlal Bhomjimal Kella
Tarachand Govindram Kella
Tulsidas Bhupatram Bhutada

Talod

Arjundas Asandas Chandak
Bharatkumar Mulchand Sharda
Bhavesh Thirpaldas Bhutra
Bhojraj Ladhuram Chandak
Geetadevi Kishanlal Chandak
Lekhraj Ratanlal Chandak
Meenaben Thirpaldas Shah
Rajeshkumar Uttamchand Sharda
Tuljaram Tikamdas Chandak

Tarapur

Chamanlal Visandas Rathi

Thane

Kirti M Maheshwari
Sujitkumar jairamdas Ramvani

Harishkumar Nandlal Sharda
Jagdishkumar Motilal Ladhar
Jayeshkumar Khajuromal Ladhar
Lekhraj Mulchand Rathi
Rameshkumar Vasudev Chandak
Tarachand Moolchand Sharda

Vadodara

Arjunkumar Gordhandas Sanjhira
Ashokkumar Prabhulal Chandak
Ashokkumar Thirpaldas Mohta
Chamanlal Vedvyas Mathrani
Dineshkumar Amolakdas Malani
Dineshkumar Chunilal Chandak
Dr. Premkumar Bhawanidas Maheshwari
Durgashankar Dharumal Maheshwari
Farasram Moolchand Sanjhira
Jayeshkumar Jethanad Rathi
Jugalkishore Dharumal Maheshwari
Lajpatrai Meghraj Chandak
Lokeshkumar Dharumal Maheshwari
Manmal Pratapchand Maheshwari
Manojkumar Murlidhar Rathi
Motilal Kishanlal Rathi
Nareshkumar R Maheshwari
Piyush Virjibhai Bhattar
Sureshkumar Murlidhar Jiwani
Sureshkumar Pitamberdas Malpani
Uttamchand Prabhulal Chandak
Vasudev Lakshmandas Bhutra
Vijay F Sanjhira
Puranchand Sagarmal Panpaliya

Vavol- Gandhinagar

Kusumben Niranjankumar Maheshwari

Vijapur

Chandresh Shishpal Rathi
Keshavlal Vindaram Rathi
Omprakash Jethanand Mukhi
Sajaykumar Jugalkishore Maheshwari

Western Abad

Abhimanyu Ishardas Maheshwari
Abhimanyu Prabhulal Maheshwari
Amolakhdas G Maheshwari
Arvind Dharumal Maheshwari
Ashokkumar Ambaram Kella
Ashokkumar Maneklal Rathi
Bherulal Hariram Rathi
Bhishm Abhimanyu Shah
Chetankumar Maneklal Rathi
Chetankumar Roopchand Maheshwari
Chhaganlal Chandiram Kella
Dharmesh Pitamberbhai Maheshwari
Dilipkumar Harishchandra Kella
Dineshkumar Ghanshaymdas Chandak
Dr.Mahadev Tarachand Maheshwari
Dr.Pratish Shishpal Sharda
Dr.Rajesh J. Lakhani
Girishkumar Ravishankar Chaudhray
Harishkumar Abhimanyu Bhutada
Harishkumar Rajmal Maheshwari
Harishkumar Sukhramdas Bhutada
Hasmukh Jayramdas Bachani
Hotchand Banshidhar Kella
I P Maheshwari
Jayprakash Malani
K L Maheshwari (Rohit)
Kapildev Bhojumal Maheshwari
Kirti Bansidhar Maheshwari
Lalitkumar Prabhulal Maheshwari
Manoharlal Balchand Panpalia
Manojkumr Amolakhdas Bhutada
Nandlal Kirpaldas Maheshwari
Narendra Banshidhar Mahshwari
Nareshkumar K Bachani
Navinkumar Parshottamdas Kadwa
Nemichand Lajpatbhai Sharda
Nomeshkumar Sureshkumar Baheti
Prakash C. Rathi
Prakash Jethanand Kella
Pratapkumar Amolakhdas Maheshwari
Rajeshkumar Nandlal Harkhani
Rameshkumar Shishpal Maheshwari
Ravishankar Girdharilal Maheshwari
Sandipkumar Hemraj Rathi
Shailesh Bhagvandas Chandak
Shishpal Tulsidas Vastani
Shravankumar Gordhandas Chandira
Sunilkumar Harishchandra Maheshwari
Sureshkuumar Dharumal Karwa
Tansukh Shantipriya Kella
Tuljaram Prabhulal Dewani
Vinitkumar Alamchand Goklani
Vijaykumar Devdatt Shah
Vikashkumar Abhaykumar Chandak
Vishal Maheshwari

Ram Bharose

ऑल इन्डिया फेडरेशन ऑफ ढाट माहेश्वरी समाज-मेडिक्लेम बीमा योजना- 2017

ऑल इन्डिया फेडरेशन ऑफ ढाट माहेश्वरी समाज द्वारा ऐसे परिवार जो आर्थिक रूप से सक्षम नही है, उन्हे बीमारी की अवस्था में रू. 50000- की आर्थिक सहायता दी जाती थी, ऐसे सभी परिवारो को भविष्य में आर्थिक सहायता की जरूरत नही हो और उन्हे बीमारी के समय दो लाख रूपये तक का सहयोग मिल सके, इसलिए ऐसे सभी परिवारो का मेडि-क्लेम बीमा पॉलीसी दिलाने का प्रयास किया गया, इस वर्ष 1850 परिवारों में से 188 परिवारो के लिए पूरी प्रीमियम एवं 112 परिवारों के आंशिक प्रीमियम का भुगतान संस्था द्वारा किया गया, कुल 300 परिवारों के लिए संस्था द्वारा दस लाख रुपये का प्रिमियम भरा गया.

किसी भी ग्रुप मेडि-क्लेम बीमा पॉलीसी में सारे लाभ के साथ नुकसान भी रहता है, जब कभी भी क्लेम अनुपात (Ratio) ऊचां आता है तो बीमा कंपनी एक महीने के नोटिस पर पॉलीसी को निरस्त (Cancell) कर सकती है. तब फिर से दूसरी कंपनी से नयी पॉलीसी बहुत ही ऊची प्रीमियम पर लेनी होती है, समाज की पॉलीसी शुरू होने के छः महीने में ही करीब 300 क्लेम आ चुके है और यदि इसी तरह क्लेम आए तो पूरे वर्ष में अंदाजित 600 क्लेम आने की संभावना है, यदि क्लेम राशि को नियंत्रित नही किया जाता तो अंदाजित 200 क्लेम (अंदाजित डेढ करोड रुपये) के आने पर पॉलीसी के लिए केन्सलेशन नोटिस मिल जाता और पॉलीसी पूरे साल भर चलने की जगह चार महीने में ही खत्म हो जाती, इससे पॉलीसी का लाभ सिर्फ 200 परिवारो कों ही मिलता और शेष 1650 परिवारों को ईंसका नुकसान होता। अब तक आए हुए 300 क्लेम में से 175 क्लेम में करीब 70 लाख रूपए का भुगतान हो चुका है, शेष 150 क्लेम में से 75 क्लेम Under Process है और 75 क्लेम Intimation & File submission स्टेज में है। संस्था ने पूरी पॉलीसी के लिए 91 लाख रूपए प्रीमियम का भुगतान बीमा कंपनी को किया है।

इसलिए, ऑल इण्डिया फेडरेशन ऑफ ढाट महेश्वरी समाज द्वारा ली हुई मेडिक्लेम बीमा पॉलीसी में बीमारी के अनुसार खर्च की सीमा रखी हुई है,जिसकी सूची अलग से दी हुई है ताकि इस पॉलीसी का लाभ अधिकतम परिवारो को मिल सके। खर्च की सीमा अपने समाज के अनुभवी डॉक्टर्स की सलाह के बाद मध्यम स्तर के अस्पताल के अनुसार रखी हुई है. परिवार में एक व्यक्ति के लिए एक बार के लिए खर्च की अधिकतम सीमा डेढ लाख रूपये (जिनका बीमा पाँच लाख रुपय का लिया हुआ है) एवं एक लाख रुपये (जिनका बीमा दो लाख रुपए का लिया हुआ है) रखी गयी है. जब भी परिवार के किसी दूसरे सदस्य को उस समय साथ में इलाज करवाना हो अथवा एक ही सदस्य को दूसरी बार इलाज करवाना हो तो उसे बीमाकृत राशि (दो लाख अथवा पाँच लाख) तक क्लेम स्वीकृत होगा, साथ ही माता-पिता के लिए होने वाले खर्च में पोलिसीहोल्डर को अब 20% खर्च वहन करना होगा।

उदाहरण के लिए एक परिवार जिसने पाँच लाख रुपए का बीमा लिया है, उसमे प्रस्तावक के साथ उसकी पत्नी, दो बच्चे एवं माता-पिता है. प्रस्तावक को यदि एन्जिओप्लास्टी करानी हो और उसका खर्चा दो लाख होता है तो उसे अधिकतम डेढ लाख रुपये ही मिलेगा। यदि प्रस्तावक के पिताजी का साथ में ही घुटने बदलवाने का Operation है और उसका खर्चा दो लाख रुपए होता है तो उसे 1.20 लाख रुपए मिलेगा (अधिकतम डेढ लाख रूपए मे से 20% को - पेमेन्ट माता अथवा पिता के लिए कम होगा)। अब दो महीने बाद यदि उसकी पत्नी का बड़ा Operation होता है और उसका खर्चा 2.50 लाख रुपये होता है तो उसे अधिकतम 1.50 लाख रुपय का क्लेम फिर से मिलेगा। चौथी बार में यदि उसके बच्चे बीमार होते है तो उसे अधिकतम उपलब्ध बीमा राशि अस्सी हजार (क्योंकि चार लाख बीस हजार पहले ले चुका है) तक का क्लेम मिलेगा। इसी तरह दूसरा परिवार जिसने दो लाख रूपए का बीमा लिया हुआ है, उसे भी अधिकतम एक लाख रूपए क्लेम की मर्यादा के साथ अलग अलग समय में पूरे साल में दो लाख रूपए तक का क्लेम मिलेगा। इस तरह राशि में कमी नही की गयी है बल्कि परिवार के सभी सदस्यो के उपयोग के लिए अथवा किसी भी सदस्य के लिए बार-बार बीमार होने पर खर्च करने के लिए बॉटी गयी है ताकि अधिकतम परिवारो को इसका लाभ मिल सके।

ऑल इण्डिया फेडरेशन ऑफ ढाट महेश्वरी समाज की 14.5.2017 की वर्किंग कमिटी की मीटिगं में यह भी निर्णय लिया गया है की यदि जरूरतमंद परिवार होगा तो वर्किंग कमिटी के 81 सदस्यो में से किसी भी सदस्य की अनुशंसा पर उसे बीमारी के खर्चे के लिए पूरी बीमा राशि उपलब्ध करवाई जाएगी।

सभी परिवारो से विनती है की ऐसे अस्पतालों में इलाज करवाने में प्राथमिकता दे जहाँ कैशलेस सुविधा हो ताकि री-एम्बरशमेन्ट क्लेम करने में कम परेशानी हो. साथ ही टीपीए से खर्च की पूर्व अनुमति लेकर इलाज करवाए ताकि अस्पताल से छुट्टी (Discharge) के समय असुविधा न हो. जब भी मरीज अस्पताल में भर्ती किया जाए तो तुरंत उसकी सूचना ई-मेल और SMS द्वारा नीचे लिखे नंबर पर करे. जब मरीज को अस्पताल से छुट्टी दी जाए तो सात दिन के भीतर क्लेम फोर्म Original Documents & Investigation रीपोर्ट के साथ जमा कराए। विलम्ब होने पर क्लेम खारिज किया जा सकता है।

यदि आपको संतोषपूर्वक जवाब नही मिले तो कृपया श्री मनसुखभाई शाह को इसकी जानकारी मोबाईल नम्बर 94266 97133 पर SMS द्वारा अथवा नौ बजे से शाम छ:बजे तक ऑफिस के नंबर 079-26303020 पर कॉल करके दे सकते है, समाज के जरूरतमंद परिवारो को बीमारी के समय किसी से आर्थिक सहयोग मागना नही पड़े. इस हेतु ऑल इन्डिया फेडरेशन ऑफ ढाट माहेश्वरी समाज द्वारा मेडि-क्लेम बीमा पॉलिसी ली गयी है, आप सभी से विनंती है की पॉलिसी को सुचारु रूप से चलाने में सहयोग करे ताकि भविष्य में भी इस योजना को सफलतापूर्वक चलाया जा सके.

भविष्य में समाज की जरूरत के अनुरूप पॉलीसी की शर्तो में बदलाव किया जा सकता है।

हरीश माहेश्वरी, गांधीधाम,
(मो.) 9825226249

कोषाध्यक्ष एवं कन्वेनर मेडिक्लेम बीमा योजना
ऑल इन्डिया फेडरेशन ऑफ ढाट माहेश्वरी समाज

Annexure A		
No.	**Ailment**	**Cappings**
1	**Certain Infectious Diseases like Malaria, Dengue, Enteric Fever, Typhoid, Para-Typhoid, Chikungunia, Viral Fever, Fever of Unknown Etiology**	**10% of Sum Insured, Max. upto Rs. 40,000/-, which ever is lower.**
2	**Phaco with Unifocal / Foldable Lens (CATARACT)**	**10% of Sum Insured, Max. upto Rs. 24,000/-**
3	Retinal Surgery (vitrectomy / retinal detachment,	10% of Sum Insured, Max. upto Rs. 25,000/-
4	**Total Joint Replacement / Total Knee Replacement (per knee)**	**50% of Sum Insured, Max. Rs. 1.50 lacs, which ever is lower**
5	**Total Hip Replacement (per hip)**	**50% of Sum Insured, Max. Rs. 1.50 lacs, which ever is lower**
6	Fracture Neck Femur	50% of Sum Insured, Max. upto Rs. 1,00,000/-
7	Coronary Angiography	15% of Sum Insured, Max. upto Rs. 20,000/-
8	**Angioplasty - PTCA**	**50% of Sum Insured, Max. Rs. 1.50 lacs, which ever is lower**
9	**Valve Replacement**	**50% of Sum Insured, Max. Rs. 1.50 lacs, which ever is lower**
10	**CABG (Heart Bye Pass Surgery)**	**50% of Sum Insured, Max. Rs. 1.50 lacs, which ever is lower**
11	Haemo Dialysis (per sitting)	Rs. 2,000/- per sitting, Max. 24 sitting per year
12	Chemotheraphy (per session cost)	Rs. 5,000/- per session
13	Radiotheraphy (per session cost)	Rs. 5,000/- per session
14	Tonsillectomy / Adenoidectomy / Adenotonsillectomy	10% of Sum Insured, Max. upto Rs. 20,000/-
15	FESS + Septoplasty	20% of Sum Insured, Max. upto Rs. 30,000/-
16	Mastoidectomy / Tympanoplasty	20% of Sum Insured, Max. upto Rs. 30,000/-
17	Surgery for varicose veins (including laser)	20% of Sum Insured, Max. upto Rs. 50,000/-
18	Appendicectomy - Laproscopic	10% of Sum Insured, Max. upto Rs. 25,000/-
19	Cholecystectomy - Laproscopic	20% of Sum Insured, Max. upto Rs. 40,000/-
20	Circumcision	5% of Sum Insured, Max. upto Rs. 10,000/-
21	Fistulectomy / Fissurectomy / Sphincterotomy / Sentinal	10% of Sum Insured, Max. upto Rs. 25,000/-
22	Gastro Enteritis Management	10% of Sum Insured, Max. upto Rs. 20,000/-
23	LRTI Management	10% of Sum Insured, Max. upto Rs. 20,000/-
24	Urinary Tract Infection Management	10% of Sum Insured, Max. upto Rs. 20,000/-
25	Haemorrhoidectomy	10% of Sum Insured, Max. upto Rs. 25,000/-
26	Radical Mastectomy Modified	20% of Sum Insured, Max. upto Rs. 40,000/-
27	Breast Lumpectomy	15% of Sum Insured, Max. upto Rs. 50,000/-
28	Thyroidectomy - Total	10% of Sum Insured, Max. upto Rs. 15,000/-
29	Inguinal / Ventral / Incisional / Umblical Hernioplasty	10% of Sum Insured, Max. upto Rs. 30,000/-
30	Hysterectomy (laproscopic)	10% of Sum Insured, Max. upto Rs. 40,000/-
31	TURP	25% of Sum Insured, Max. upto Rs. 50,000/-
32	Hydrocelectomy	15% of Sum Insured, Max. upto Rs. 40,000/-
33	PCNL (percutaneous Nephrolithotripsy)	10% of Sum Insured, Max. upto Rs. 20,000/-
34	ESWL	10% of Sum Insured, Max. upto Rs. 20,000/-
35	**Maternity**	**Rs. 15000 - General & Casearian - Rs. 20000**

In case of Proposer or Wife or Children, Reduction @10%, 15% & 20% of allowable claim amount will be made for amount exceeding Rs.25000/-, Rs.50000/- & Rs.75000/- & above respectively .

SR.NO.	AREA	MEMBER'S NAME
44	BARMER	VASUDEV PURSHOTTAMDAS MAHESHWARI
45	GADHRA ROAD	RAMESHKUMAR PRABHULAL BHUTDA
46	BODELI	GIRISHKUMAR GAUTAMDAS HARKUT
47	DELHI	AYODHYADEVI KISHANLAL SHARDA
48	GANDHINAGAR	ASHOKKUMAR GOPALDAS CHANDAK
49	GANDHINAGAR	CHIMANLAL RANULAL BHUTDA
50	MANSA	CHAMANLAL AMOLAKHDAS MAHESHWARI
51	MANSA	DILIPKUMAR RAVISHANKAR JIWANI
52	MANSA	HARISHKUMAR UTTAMCHAND RATHI
53	MANSA	VAGHJIMAL UTTAMCHAND RATHI
54	JAISALMER	ARJUNLALJASRUPDAS CHANDAK
55	SAYLA	TARACHAND MOOLCHAND MANSUKHANI
56	KAPADWANJ	BHERULAL MANEKLAL LALWANI
57	KAPADWANJ	CHOITHRAM KRIPALDAS MAHESHWARI
58	KAPADWANJ	SHRAVANKUMAR RAJUMAL MAHESHWARI
59	NADIAD	GHANSHYAM HARIRAM SHARDA
60	GANDHIDHAM	A.N.KELLA, ADVOCATE
61	GANDHIDHAM	DR. HASMUKH VINDOOMAL KELLA (KARMANI) & HARDIP PLYWOOD INDUSTRY PRIVATE LIMITED, GANDHIDHAM
62	GANDHIDHAM	JETHANAND KOJRAJ LADHAD PARIWAR
63	GANDHIDHAM	RAVIPRAKASH BHOMRAJ JAGANI
64	GANDHIDHAM	PARUMAL KHAJUROMAL RAMWANI

SR.NO.	AREA	MEMBER'S NAME
65	KADI	BHAVANISHANKAR RAVISHANKAR MAHESHWARI
66	KADI	DINESHKUMAR BEKHATMAL MAHESHWARI
67	KADI	SHANKARLAL OMKARMAL KELLA
68	MORBI	GAUTAMBHAI TOLARAMA KACHORIA
69	MORBI	HARISHBHAI CHANDIRAM KELLA
70	MORBI	PARESHKUMAR GHANSHYAMDAS KACHORIA
71	MORBI	PRAVINKUMAR SWAROOPCHAND KELA
72	MORBI	VIMALKUMAR PRAKASHBHAI KACHORIA
73	MUMBAI	MOHANLALTEJOMAL RATHI (GOPANI)
74	PATAN	KISHOREKUMAR KHETARAM MAHESHWARI
75	HIMATNAGAR	KISHANLAL MANEKLAL RATHI
76	TALOD	ASANDAS TIKAMDAS CHANDAK (LACHHANI PARIWAR)
77	TALOD	REVATIDEVI DOONGARMAL CHANDAK
78	SURAT	PRAVINCHANDRA RAMESHKUMAR CHANDAK
79	SURENDRANAGAR	ABHIMANYU BHUPATRAM BHUTDA
80	SURENDRANAGAR	KIRANKUMAR MAHADEVBHAI RATHI
81	SURENDRANAGAR	MADANLAL MAHADEVBHAI RATHI
82	SURENDRANAGAR	RAMESHKUMAR B. BHUTDA & MADANLAL B. BHUTDA
83	DABHOI	LEKHRAJ CHHUGALAL MAHESHWARI
84	PADRA	CHIMANLAL HARIRAM BHUTDA
85	PADRA	PITAMBERDAS KHUSHALDAS MAHESHWARI
86	VADODARA	BHAGWANDAS HEMRAJ KELLA
87	VADODARA	JUGALKISHORE DHARUMAL MAHESHWARI
88	VADODARA	SUNILKUMAR JAGDISHCHANDRA GIGAL

चोहटण समाज की विविध प्रवृतिया:

आंणद समाज की विविध प्रवृतिया:

चंदल पीर मेला अहमदाबाद

किचन में महकेगी सेहत और स्वाद से भरपूर सिंधी कढ़ी की खुशबु

हमारे देश में एक ही व्यंजन को हर प्रांत में अलग-अलग तरीके से बनाया जाता है और उसका स्वाद भी अलग ही होता है। अलग अलग तरीके से बनाने की कढ़ी में कढ़ी एक ऐसा व्यंजन है जो राजस्थान में अलग तरीके से बनाया जाता है और गुजरात में अलग तरीके से और सिंधीओ में अलग तरीके से। कढ़ी को भी बनाने के तमाम तरीके हैं। कई तरह की सब्जिओ से बनने वाली यह कड़ी वाकई स्वाद के खजानो में से एक है। सिंधी कढ़ी बहुत ही स्वादिष्ट और लाजवाब डिश है। यह एक ऐसी डिश है जिसे सभी बहुत शौक से खाते है। इसे आप जब चाहे आसानी से घर पर बना सकते है। ज्यादातर लोग सिंधी कढ़ी दोपहर या रात के खाने में खाना पसंद करते है। यह एक स्पेशल डिश में आती है। सिंधी कढ़ी आप जब मर्जी बनाये इसे सभी शौक से खाएंगे और आपकी तारीफ भी करेंगे। तो आइए सीखते हैं सिंधी कढ़ी बनाना।

स्वाद- सिंधी कढ़ी का स्वाद खट्टा और चटपटा होता है। जिन लोगो को कढ़ी ज्यादा खट्टी पसंद है वो इसमें अलग से अमचूर या निम्बू भी डालते है। इसमें डाले गए मसालों से यह चटपटी और तीखी लगती है।

प्रसिद्ध- सिंधी कढ़ी सभी जगह बहुत प्रसिद्ध है। बहुत से ऐसे ढाबे भी है जहाँ केवल सिंधी कढ़ी चावल ही प्रसिद्ध होता है और लोग बड़े चाव से इसे खाते है।

आवश्यक सामग्री:

6 बड़े चम्मच बेसन, 2 बड़े चम्मच इमली का गूदा, एक गाजर बारीक कटी, एक कप लौकी कटी हुई, 6 से 7 भिंडी बारीक कटी, 2 से ३ छोटे बैंगन बारीक कटे, 7 से 8 बरबटी बारीक कटी, 1 से 2 हरी मिर्च बारीक कटी, एक चुटकी हींग, एक छोटा चम्मच जीरा,

एक छोटा चम्मच मेथी दाना, एक छोटा चम्मच धनिया पाउडर, एक चुटकी हल्दी पाउडर, बारीक कटा हरा धनिया, स्वादानुसार नमक और तेल

सिंधी कढ़ी बनाने की विधि:

- एक कड़ाही में तेल डालकर गर्म करें फिर गर्म तेल में हींग, जीरा, मेथीदाना व हरी मिर्च डालकर भूनें।
- जब जीरा तड़कने लगे तो उसमें हरी मिर्च, गाजर, बरबटी, भिंडी, लौकी और बैंगन डालकर चलाएं और मध्यम आंच पर 5 मिनट तक ढककर पकाएं. फिर गैस बंद कर दें।
- अब बेसन छान लें और उसे एक अलग कड़ाही में डालकर गैस पर भून लें।
- बेसन भुनकर हल्का ब्राउन होने लगे तो गैस बंद कर दें और एक बर्तन में लगभग एक लीटर पानी डालकर उसमें बेसन अच्छी तरह घोल लें. ध्यान रहे कि बेसन में गुठली न पड़ें।
- इसके बाद बेसन के घोल को गैस पर एक पैन में डालकर उबलने रखें और लगातार चलाते रहें।
- फिर बेसन में पकी सब्जियां, हल्दी, धनिया पाउडर और नमक डालकर मिक्स करके मध्यम आंच पर 10 से 15 मिनट तक पकने दें।
- जब सब्जियां नर्म हो कर पक जाएं तो इमली का गूदा डालकर कढ़ी को २ मिनट तक और पकाकर गैस बंद कर दें।

ढाटीओं में सिंधी कढ़ी अति प्रचलित है और इसे खास अवसरों पर बनाते है। उसमे इम्बली, दही और छास का भी उपयोग होता है लेकिन बनाने की रीत थोड़ी अलग है। इसमें आलू, कठोड़, सिंघी गवार फली, सुखी लाल मिर्च का उपयोग भी होता है। उसे ''बखर'' भी कहते है। सिंधी कढ़ी माखनी दाल, घी और चावल के साथ शौक से खाया जाता है। सामान्य तौर पर सिंधी कढ़ी ऊपर सूचित किये तरीके से बनायीं जाती है लेकिन ढाटीओं में थोड़ी अलग तरीके से बनायीं जाती है।

धानेरा जिल्ला बनासकांठा (गुजरात) में अतिवृष्टि से ढाट माहेश्वरी समाज के व्यापारी बंधुओ को भारी नुकसान हुआ था, करीब 25-26 छोटे व्यापारियों के लिए आजीविका का प्रश्न हो गया था, ऐसे समय में पूरा ढाट माहेश्वरी समाज अपने इन समाज बंधुओ को आर्थिक सहयोग करता, यह अत्यन्त आवश्यक हो गया था. ऑल इंडिया फेडरेशन ऑफ ढाट माहेश्वरी समाज ने समाज के सभी बंधुओं से सहयोग की अपील की एवं पूरे समाज ने खुले दिल से इसे स्वीकार कर रुपए 30.60 लाख रुपए की सहयोग राशि दो दिन में घोषित की. संस्था अपने सभी तीस दानवीर परिवारों / समाजों, जिनकी सूची नीचे दी हुई हैं, का आभार प्रकट करती हैं जिन्होंने संस्था की अपील को मान देकर सहयोग राशि देने की तुरंत स्वीकृति दी.

Sr. No.	Area	Name of the Person	Amount
1	Palanpur	Dada Ladhuram Sewa Samiti, Palanpur	1000000
2	Jodhpur	Sh. Chaturbhuj Ranulal Rathi & Sh. Arjunlal Ranulal Rathi, Jodhpur	500000
3	Vadodara	Vadodara Dhat Maheshwari Samaj, Vadodara	178000
4	Kadi	Kadi Dhat Maheshwari Samaj, Kadi	125000
5	Sanchore	Sh. Kailashkumar Govindram Bhatad, Sanchore	101000
6	Western Abad	Sw. Doongromal Lilaram Maheshwari Pariwar	100000
7	Anand	Sh. Madanlal Girdharilal Sanjhira	100000
8	Surat	Sh. Gajanand Rathi	100000
9	Surendranagar	Sw.Mahadevbhai Valjiram Rathi Pariwar	100000
10	Maninagar	Sh. Pitamberdas Bhomraj Rathi	51000
11	Sabarmati	Sabarmati Dhat Maheshwari Samaj	55000
12	Western Abad	Sh. I P Maheshwari	51000
13	Western Abad	Sh. P C Rathi	51000
14	Anand	Sw. Kojraj Jasrupdas Rathi Pariwar	51000
15	Anand	Sh. Vasudev Ganeshdas Bhutda	51000
16	Bodeli	Sh. Girishkumar Gautamdas Harkut	51000
17	Jaisalmer	Sh. Arjunlal Jasrupdas Chandak	51000
18	Sayla	Sh. Tarachand Moolchand Mansukhani	51000
19	Morbi	Sh. Gautamdas Tolaram Kachoria	51000
20	Talod	Smt. Revatidevi Doongromal Chandak (Lachhani)	51000
21	Western Abad	Western Ahmedabad Dhat Maheshwari Samaj	51000
22	Palanpur	Sh. Satramdas Sohdevmal Maheshwari	25000
23	Surat	Sh. Kishanlal Nakhatmal Kella	25000
24	Morbi	Sh. Pareshkumar Ghanshyambhai Kachoria	25000
25	Maninagar	Sh. Anilkumar Chimanlal Kella	11000
26	Western Abad	Sh. Godavaridevi Lajpat Sharda	11000
27	Western Abad	Sh. Chamanlal Prabhula Vastani	11000
28	Morbi	Sh. Pravinkumar Swaroopchand Kella	11000
29	Morbi	Sh. Maheshkumar Chandiram Kella	11000
30	Morbi	Smt. Prakashiben Pitamberdas Harani	10000
			3060000

संस्था का पंद्रह सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल ऑल इंडिया फेडरेशन ऑफ ढाट माहेश्वरी समाज के अध्यक्ष श्री वासुदेव गणेशदास भूतड़ा, उपाध्यक्ष श्री हरीशकुमार पीताम्बरदास राठी , सचिव श्री प्रकाश सी. राठी एवं पूर्व अध्यक्ष श्री किरणकुमार महादेवभाई राठी के नेतृत्व में दिनांक 30.7.2017 रविवार को धानेरा गया और धानेरा समाज के सात सदस्यों की स्थानीय कमिटी बनाकर उनके द्वारा 26 चयनित परिवारों की उनकी इच्छा के अनुसार प्रति परिवार एक लाख रुपए की राशि बिना ब्याज के ऋण के रूप में स्वीकृत कर आंशिक राशि तुरंत दी एवं शेष राशि कुछ दिनों में भेजी गयी। ऋण की राशि लाभार्थी द्वारा उसकी सहुलियत के अनुसार किस्तों में वापिस दी जाएगी एवं ऋण राशि को वापिस चुकाने के लिए किसी भी व्यक्ति द्वारा कहा नहीं जाएगा। संस्था सभी लाभार्थियो का आभार व्यक्त करती है , जिन्होने ऋण स्वीकार कर सेवा का अवसर दिया।

ढाट माहेश्वरी भवन, अहमदाबाद

चिकित्सा सुविधा के लिए अहमदाबाद पश्चिमी भारत का मुख्य शहर हैं. साथ ही ढाट माहेश्वरी समाज के अधिकतम परिवार भी अहमदाबाद में रहते हैं, इसलिए स्वाभाविक रूप से ढाट माहेश्वरी समाज के अधिकतम मरीज इलाज के लिए अहमदाबाद में आते हैं लेकिन ठहरने के लिए प्रयास सुविधा नहीं होने की वजह से समाज के सदस्यों को बहुत असुविधा रहती थी. इसलिए ऑल इंडिया फेडरेशन ऑफ ढाट माहेश्वरी समाज द्वारा मरीजों के उपयोग के लिए 1800 वर्ग फीट का भवन खरीदा गया जिसे 26 जनवरी 2014 को लोकार्पण किया गया इस भवन का उपयोग संस्था द्वारा की जाने वाली विभिन्न प्रवृतियों के लिए किया जाता हैं, जिसका संकलन इसी भवन में बने हुए कार्यालय द्वारा होता हैं. साथ ही इस भवन का उपयोग वेस्टर्न अहमदाबाद ढाट माहेश्वरी समाज द्वारा की जाने वाली विभिन्न प्रवृतियों गणगौर, धुलेटी एवं प्रत्येक पूनम पर भजन जैसे कार्यक्रम एवं समाज उपयोगी विभिन्न कार्यों के लिए किया जाता हैं.

वर्तमान में इस भवन की देखरेख एक पाँच सदस्यीय कमिटी द्वारा की जाती हैं, जिसमें श्री तुलजाराम प्रभुलाल देवानी, कन्वेनर भवन कमिटी (9924318049) एवं अन्य सदस्य श्री प्रकाश सी. राठी, (9427007817) श्री हरीशकुमार पी. राठी, (9426418887) श्री भवानीशंकर मोहता (9825179055) एवं श्री महेशकुमार के. चांडक (9426053702) हैं.